बर्षः- 05
अंकः- 301
मुरादाबाद
(Monday)
23 February 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

मेरठ में बोले पीएम मोदी- कांग्रेस, सपा, बसपा कर रहीं जहरीली राजनीति, हिम्मत है तो विकास के मुद्दे पर लड़ें

मेरठ के लिए रविवार का दिन ऐतिहासिक रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेरठ मेट्रो का उद्घाटन कर दिया, साथ ही रैपिड रेल का विस्तार किया। इस दौरान आयोजित जनसभा में पीएम ने कहा कि कांग्रेस अपनी जहरीली और गंदी राजनीति को छोड़े। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार को मेरठ को नमो भारत रैपिड रेल और मेरठ मेट्रो की बड़ी सौगात दी। दोनों नेताओं ने दिल्ली के सराय काले खां से मोदीपुरम तक 82 किलोमीटर लंबे रैपिड कॉरिडोर को राष्ट्र को समर्पित किया। इस दौरान मेरठ के मोहीउद्दीनपुर

में आयोजित जनसभा में पीएम मोदी ने कांग्रेस और अन्य दलों पर जमकर निशाना साधा। पीएम मोदी ने कहा कि मैंने कांग्रेस, सपा और बसपा को कहा था कि अपनी जहरीली राजनीति छोड़िए और आइए विकास के मुद्दे पर मुकाबला करके देखते हैं। लेकिन इन दलों ने अपनी जहरीली राजनीति नहीं बदली। भाजपा ने अपनी विकास की नीति को हमेशा सर्वोपरि रखा। इसका एक उदाहरण हमारी मेट्रो भी है। 2014 से पहले यानी कांग्रेस सरकार के समय में चार-पांच शहरों में मेट्रो थी, आज 25 से ज्यादा शहरों में मेट्रो चलने लगी है। पहले घोटालों में गुम हो जाते थे इन्फ्रास्ट्रक्चर के प्रोजेक्ट - मोदी ने कहा कि जब देश में कांग्रेस की सरकार थी, तो ये सब संभव ही नहीं था। तब इन्फ्रास्ट्रक्चर के प्रोजेक्ट घोटालों में गुम हो जाते थे। मेट्रो जैसी अधिकतर टेक्नोलॉजी हमें विदेशों से आयात करनी पड़ती थी। हमने घोटाले बंद किए। देश को आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाया। मेरठ और पश्चिम यूपी वालों का जीवन बदलने वाला है। अब एक ही स्टेशन से, एक ही ट्रैक पर नमो भारत और मेट्रो रेल चलेगी। कांग्रेस अपने ही देश को बदनाम करने में जुटी - पीएम मोदी ने कहा कि हम तो वो लोग हैं, जो गांव में किसी के यहां शादी होती है तो पूरा गांव उसे सफल बनाने में जी-जान से जुट जाता है। ताकि मेहमान गांव की अच्छी छवि लेकर जाएं। कांग्रेस तो अपने ही देश को बदनाम करने में जुटी है। कांग्रेस के नेताओं को मोदी से नफरत है। हम इसे भी सहन कर लेंगे। लेकिन कांग्रेस को याद रखना चाहिए था कि ये‚ढ्ढ ग्लोबल समिट भाजपा का कार्यक्रम नहीं था, न ही उस समय भाजपा का कोई नेता वहां था। कांग्रेस की इस रीति-नीति पर थू-थू कर रहा देश - मोदी ने कहा कि पूरा देश कांग्रेस की इस रीति-नीति पर थू-थू कर रहा है। दुर्भाग्य देखिए, इतनी पुरानी पार्टी के नेता बेशर्मी के साथ देश की बेइज्जती करने वालों का जयकारा कर रहे हैं। ये मामला कांग्रेस की हरकतों का लगातार चल रहा है। संसद में खुद परफॉर्म नहीं कर पा रहे तो अपने साथी को भी बोलने का मौका नहीं देते। सदन को चलने नहीं देते। इसका सबसे बड़ा नुकसान कांग्रेस के साथी दलों को हो रहा है। पाप कांग्रेस करती है, भुगतना साथियों को पड़ता है। उन्होंने कहा कि मैं नम्रतापूर्वक देश के मीडिया से रिक्वेस्ट करना चाहता हूं कि कृपा करके हम जब इस प्रकार की हरकतों की आलोचना करें, तो इस तरह की हेडिंग न बनाएं कि मोदी ने विपक्ष को धो डाला।

ये विपक्ष-विपक्ष करके आप कांग्रेस को बचा रहे हैं। विपक्ष में जो और साथी बैठे हैं, वो भी समझ गए हैं कि पाप कांग्रेस करती है और भुगतना उन्हें पड़ता है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेरठ मेट्रो का उद्घाटन कर दिया, साथ ही रैपिड रेल का विस्तार किया। इस दौरान आयोजित जनसभा में पीएम ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कांग्रेस पार्टी पर जबरदस्त निशाना साधा। पीएम मोदी ने बजट सत्र के दौरान प्रधानमंत्री की कुर्सी के पास आकर प्रदर्शन करने वालीं कांग्रेस महिला सासंदों को भी निशाने पर लिया। पीएम मोदी ने मेरठ में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि महिला सांसदों को भेजकर सीट पर कब्जा करने से आप प्रधानमंत्री नहीं बन सकते। वहीं उन्होंने एआई समिट के दौरान हुए प्रदर्शन को लेकर उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने भारत के एक वैश्विक आयोजन को अपनी गंदी और नंगी राजनीति का अखाड़ा बना दिया। पीएम का कांग्रेस पर वार- पीएम मोदी ने कहा, अगर आपको प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठना है तो पहले आपको जनता के दिल जीतने पड़ेंगे, महिला सांसदों को भेज करके सीट पर कब्जा करके आप प्रधानमंत्री नहीं बन सकते हो। क्या आप लोग इतने खोखले हो गए हो कि माताओं-बहनों को इसके लिए आगे कर रहे हो।

कांग्रेस देश के लिए बोझ बन गई है। एक बात की मुझे संतोष है कि दिल्ली में जो घटना घटी, कांग्रेस के सभी साथी दलों ने कांग्रेस की भरपूर आलोचना करने की हिम्मत दिखाई है।

मैं इसके लिए उनका सार्वजनिक रूप से आभार व्यक्त करता हूं। मोदी ने कहा कि कांग्रेस की हरकतों का यह सिलसिला लगातार चल रहा है और वह संसद में खुद कुछ कर नहीं कर पा रहे हैं तो अपने साथी दलों को भी बोलने का मौका नहीं दे रहे। प्रधानमंत्री ने कहा, संसद को चलने नहीं देते और उसका सबसे बड़ा नुकसान कांग्रेस के सहयोगी दलों को पहुंच रहा है। %कांग्रेस ने वैश्विक आयोजन को अपनी गंदी और नंगी राजनीति का अखाड़ा बना दिया%- पीएम मोदी ने कहा कि एक तरफ आज देशवासी भारत को विकसित बनाने के लिए काम कर रहे हैं, लेकिन देश में ही कुछ राजनीतिक दल हैं जो भारत की सफलता को पचा नहीं पा रहे। अभी आपने देखा कि भारत में दुनिया का सबसे बड़ा एआई इम्पैक्ट समिट हुआ। दुनिया भर के 80 से अधिक देशों के प्रतिनिधि दिल्ली आए। दुनिया के विकासशील देशों में ऐसा सम्मेलन आज तक कभी नहीं हुआ। पूरा देश गर्व से भर गया, लेकिन कांग्रेस और इसके इकोसिस्टम ने क्या किया? कांग्रेस ने भारत के एक वैश्विक आयोजन को अपनी गंदी और नंगी राजनीति का अखाड़ा बना दिया। उन्होंने आगे कहा, समारोह स्थल पर विदेशी अतिथियों के सामने कांग्रेस के नेता कपड़े उतारकर पहुंच गए। मैं कांग्रेस पार्टी से पूछना चाहता हूं कि आपको कपड़े उतारने की जरूरत क्यों पड़ी। कांग्रेस के नेताओं ने वहां पर जो कुछ किया, वो दिखाता है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी वैचारिक रूप से दिवालिया हो गई है। कांग्रेस तो अपने देश को ही बदनाम करने में जुटी है।

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस के नेताओं को मोदी से नफरत है, वे मेरी कब्र खोदना चाहते हैं, और उन्हें भाजपा और एनडीए से विरोध है। कांग्रेस को याद रखना चाहिए था कि एआई ग्लोबल समिट भाजपा का समारोह नहीं था। यह देश का कार्यक्रम था, देश के सम्मान का कार्यक्रम था। लेकिन, कांग्रेस ने परसों सारी मर्यादाएं तोड़ दी। आज पूरे देश में कांग्रेस की इस रीति-नीति पर थू-थू हो रही है, लेकिन दुर्भाग्य देखिए, इतनी पुरानी पार्टी के नेता लजाने के बजाय बेशर्मी के साथ गरजते हैं, और यह मामला कांग्रेस की हरकतों का लगातार चल रहा है। उन्होंने आगे कहा कि संसद में अपने साथी दलों को भी बोलने का मौका नहीं देते हैं। संसद को चलने नहीं देते हैं। इसका सबसे बड़ा नुकसान कांग्रेस के साथी दलों को हो रहा है। एआई समिट में कांग्रेस ने जो किया है, उससे साथी दल भी चौक गए हैं। सबने इससे किनारा कर लिया।

संक्षिप्त समाचार

कोली समाज के कार्यक्रम में पहुंचे अरविंद केजरीवाल, कहा- समाज के सुख-दुख में साथ खड़ी है AAP

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को गुजरात के भावनगर में कोली समाज द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में भाग लिया। कार्यक्रम में दोनों नेताओं ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया और उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की।गुजरात के भावनगर में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल 151 जोड़ों के सामूहिक विवाह समारोह में शामिल हुए। यह कार्यक्रम श्री वीर मंधाता कोली समाज संगठन द्वारा किया गया, जो पिछले 12 वर्षों से जरूरतमंद और अनाथ बेटियों की शादी करवा रहा है। अब तक 2000 से ज्यादा बेटियों की शादी करवाई जा चुकी है। कुछ साल पहले 501 जोड़ों की शादी एक साथ करवाई गई थी। अरविंद केजरीवाल ने मंच से किसी तरह की राजनीतिक बात नहीं की। उन्होंने सिर्फ बेटियों की खुशियों की बात की, परिवारों की जिम्मेदारियों की बात की और समाज से अपील की कि दिखावे और कुरीतियों को खत्म करें। उन्होंने कहा कि अगर समाज के बच्चों को अच्छी शिक्षा और सही अवसर मिले तो वे देश का नाम रोशन कर सकते हैं। मेहनती और प्रतिभाशाली बच्चों को आगे बढ़ने का मौका मिलना चाहिए।इस कार्यक्रम में हर जाति और हर धर्म की बेटियां शामिल थीं। यह सिर्फ एक समाज का नहीं, बल्कि पूरे समाज को जोड़ने का आयोजन था।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय बोले- शंकराचार्य को फंसा रही सरकार, यह सनातन का अपमान

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय रविवार को शाहजहांपुर पहुंचे। उन्होंने यहां कांग्रेस के जिलाध्यक्ष के आवास में प्रेसवार्ता की। इस दौरान अजय राय ने भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा।शाहजहांपुर में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जापान दौरे पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री से पहले भी मंत्री विदेश गए। उसके बाद भी कोई निवेश नहीं आया। नए कारखाने आने के बजाय पुरानी फैक्टरी बंद हो रही हैं। बदायूं के दातागंज जाते समय कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रजनीश गुप्ता के आवास पर रुके प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने रविवार को भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने जम्मू कश्मीर के राज्यसभा सांसद के शाहजहांपुर में निधि देने पर कहा कि भाजपा के लोग भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। आरोप लगाया कि लोकायुक्त ने भाजपा के एक विधायक को घूस लेते पकड़ा।यूजीसी पर बोले कि पहले मंदिर-मस्जिद के नाम पर लड़ाने वाली भाजपा अब हिंदुओं को लड़ाने का काम कर रही है। नफरत की राजनीति कर जनता को गुमराह किया जा रहा है। बदायूं में अल्पसंख्यकों को पीटा जा रहा है। बड़े काम गुजरात के ठेकेदारों को दिए जा रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने शंकराचार्य पर रिपोर्ट दर्ज होने के आदेश पर कहा कि शंकराचार्य

सभी के पूज्यनीय हैं। सरकार शंकराचार्य व उनके शिष्यों को फंसा रही है। यह पूरे सनातन और देशवासियों का अपमान है।एआई समिट में युवा कांग्रेस के प्रदर्शन को प्रदेश अध्यक्ष ने ठीक बताया। कहा कि यूनिवर्सिटी ने चीनी रोबोट को अपना बता दिया। इस झूठ को आइना दिखाने पर युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित किया गया। झांसी व ललितपुर में कार्यकर्ताओं पर अत्याचार किया और झूठ बोलने वालों पर अब तक सरकार ने कार्रवाई नहीं की। प्रेसवार्ता के दौरान सीतापुर के सांसद राजेश राठौर, जिलाध्यक्ष रजनीश गुप्ता, तकवीम हसन खां, अशफाक उल्ला खां, पवन सिंह, अनूप वर्मा, धर्मेंद्र दीक्षित, गौरव त्रिपाठी, शोभित मिश्रा, फुरकान कुरैशी आदि मौजूद रहे।

प्रतीकात्मक फरसा देकर स्वागत किया- युवक कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रामजी अवस्थी ने प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को भगवान परशुराम का प्रतीकात्मक फरसा देकर अभिनंदन किया। राय ने कहा कि फरसा देकर स्वागत करना न केवल सांस्कृतिक सम्मान है, बल्कि पार्टी को जिले में नई धार और ऊर्जा प्रदान करने का प्रतीकात्मक संदेश भी है। इससे पहले युवाओं ने उनका फूल माला पहनाकर स्वागत किया। तिलहर में भी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत- कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का काफिला रविवार दोपहर करीब एक बजे पहुंचा। यहां नगराध्यक्ष जाने आलम ने कार्यकर्ताओं के साथ आंबेडकर पार्क के पास जोरदार स्वागत किया। कार्यकर्ताओं ने उन्हें रोककर फूल-मालाएं पहनाईं और जोरदार नारेबाजी के साथ स्वागत किया। उन्होंने भारत रत्न भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

अखिलेश बोलेः प्रदेश के दोनों डिप्टी सीएम को हमारा खुला ऑफर, अपने 100 विधायक लेकर आओ, सीएम बन जाओ

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर प्रदेश के दोनों डिप्टी सीएम को ऑफर दिया है कि अपने 100 विधायक लेकर आओ, मुख्यमंत्री हम बनाएंगे। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक बार फिर प्रदेश के दोनों डिप्टी सीएम को मुख्यमंत्री बनने का ऑफर

दिया है। गोरखपुर में इलाज के दौरान कथित लापरवाही से 19 लोगों की आंखों की रोशनी जाने की घटना पर योगी सरकार को घेरते हुए, अखिलेश ने बीजेपी के भीतर जारी कथित अंतर्कलह पर तीखा तंज कसा हैअखिलेश यादव ने पुरानी पेशकश को दोहराते हुए कहा, 卐हम अपना ऑफर फिर से दोहराते हैं-100 विधायक लाओ और मुख्यमंत्री बन जाओ। जो 100 विधायक साथ लाएगा, वह एक हफ्ते के लिए मुख्यमंत्री बनेगा।卐 उन्होंने संभवतः एक सप्ताह की बात इसलिए कही क्योंकि सीएम चार दिन के टूर पर जापान जा रहे हैं। उठाया शंकराचार्य का मुद्दा - सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी सरकार शंकराचार्य को अपमानित करने के लिए 20 साल पुरानी घटना को ढूंढ कर लाई है। यह पहली बार है जब शंकराचार्य को माघ मेले में गंगा स्नान करने से रोका गया। अखिलेश यादव रविवार को सपा कार्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। जहां उन्होंने शंकराचार्य पर लगे यौन शोषण के मामले में हाईकोर्ट की ओर से एफआईआर दर्ज कराने के आदेश को लेकर बयान दिया। चार्य कई दिनों तक धरने पर बैठे रहे, उस समय सर्दी चरम पर थी। हमारे सनातनी व्यवस्था में कहीं किसी शंकराचार्य को स्नान से रोका नहीं गया होगा लेकिन यह पहली बार हुआ है कि उन्हें स्नान से भी रोका गया... अब यह सरकार शंकराचार्य को अपमानित करने के लिए 20 साल पुरानी घटना ढूंढ कर लाई... अगर यह(शिकायतकर्ता) उनका(रामभद्रचार्य) शिष्य है तो मुझसे गलती हुई है कि मैंने कभी रामभद्रचार्य पर जो मुकदमा था वह वापस लिया था, मुझे उन्हें जेल भेज देना चाहिए था।

चेक बाउंस मामलाः उद्योगपति माधौ गोपाल अग्रवाल बोले- राजपाल यादव के अनुरोध पर दिए थे पांच करोड़ रुपये

फिल्म अभिनेता राजपाल यादव को लोन देने वाले उद्योगपति माधौ गोपाल अग्रवाल ने कहा कि उन्होंने राजपाल यादव के अनुरोध पर पांच करोड़ रुपये दिए थे। उनके मुताबिक पूरी लिखापढ़ी और एग्रीमेंट के बाद ही यह रकम दी गई। चेक बाउंस मामले में फिल्म अभिनेता राजपाल यादव जमानत पर जेल से बाहर आए हैं। शाहजहांपुर में अपने पैतृक गांव कुंडरा में भतीजी की शादी में आए अभिनेता राजपाल यादव फिल्म अता-पता-लापता के निर्माण

को लेकर लिए गए लोन पर अपनी बात रख चुके हैं। अब उद्योगपति माधौ गोपाल अग्रवाल ने भी कैमरे के सामने अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा कि राजपाल के कई बार अनुरोध करने पर पांच करोड़ रुपये लोन दिया था। उसके तीन एग्रीमेंट भी हुए थे।एक न्यूज एजेंसी को दिए साक्षात्कार में माधौ गोपाल अग्रवाल ने कहा कि वर्ष 2010 में राजपाल यादव के अनुरोध पर लोन दिया था। पूरा मामला न्यायालय में चल रहा है। फिल्म की शुरुआत से पहले म्यूजिक लांच के बारे में उन्हें मीडिया के माध्यम से पता चला था। एग्रीमेंट की शर्तों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए उन्होंने अदालत का रुख किया और फिल्म पर स्टे लग गया। राजपाल यादव के आग्रह पर फिल्म रिलीज से स्टे हटवा दिया था।अपने ही रुपयों के लिए बच्चों की तरह रोना पड़ा%- माधौ गोपाल ने बताया कि वह कभी अभिनेता राजपाल यादव के गांव कुंडरा नहीं गए। जब भी बैठक हुई, राजपाल यादव व उनकी पत्नी राधा यादव के मध्य हुई है। इससे पहले एक अन्य चैनल में दिए साक्षात्कार में माधौ गोपाल ने कहा था कि अपने रुपयों के लिए बच्चों की तरह रोना पड़ा। बता दें कि चेक बाउंस मामले में हाल ही में अदालत के आदेश पर राजपाल यादव को सरेंडर करना पड़ा और वे तिहाड़ जेल गए थे। बाद में जमानत पर रिहा हुए हैं।

संपादकीय Editorial

On the pretext of the RDG

The Himachal Assembly session is poised at a new juncture of debate, where every MLA's arguments and reflections are focused on the drought of economic poverty. At least Chief Minister Sukhwinder Singh Sukhu has laid out a roadmap to ensure that the RDG is interpreted at every corner of the debate. This is clearly the beginning of a new journey. This debate is examining Himachal's importance as an eternal ideal, and a review of the tenures of several Chief Ministers is inevitable. The issue is not a contest between the current and former Chief Ministers in a wilderness of comments in the House, but rather the national policies, where governments have squandered the state's economy in their childish attempts. This is not a wall between the ruling party and the opposition that the unified voice of debate can temporarily break down. This is a debate about the differences between the economic progress of the state and its citizens, as policies have kept the state out of step with reality and made society the beneficiary. If Congress's guarantees are merely political gimmicks, then the previous government taught the public the art of freeloading by slashing electricity bills. The rosy picture offered by the women's ticket discount on HRTC buses is more or less how the Congress women's economic structure was wiped out by the fifteen hundred rupees. If the state hadn't seen the trees of buildings falling into decay, the state's 600 buildings wouldn't have been idle. What miracle are these empty buildings, or what kind of a development disaster has led public representatives to build their tombs? Had we strengthened our state-centric thinking, we would have developed the entire meaning of development and the economic system. We continued to write even when excessive colleges were opened in and around assembly constituencies like Jwalamukhi. What was the logic behind opening colleges for a hundred or fewer students? Our development criteria proved so ominous that political boasting emptied the entire budget. Should all colleges have been postgraduate-level? Aren't all MLAs, ministers, and governments guilty of building castles in the sand? Moreover, if a survey were conducted, it would be revealed that the lucrative profession of politics has now turned Himachal's economy into a treasury. If private empires are growing here, under the cover of the land mafia, not only are political figures, the bureaucracy, and the bureaucracy responsible, but the system itself is turning every government into the state's "auction house." While the Chief Minister himself is announcing in the House that a mine of unaccounted transactions has opened near Gagret and Gaggal airports, such gossip is coming from every city and town. Surprisingly, settlements are now being sold in every village, and the ravines, valleys, and peaks are terrified by the funeral procession of wealth. If Himachal is a state of mountains and valleys, then find out how many showrooms sell mountain-mining machinery here. If we take BJP MLA Vikram Thakur's questions in the right perspective, then the magnets for political appointments are indeed amassing the state's wealth, but this smoke is now being emitted by every government. To eliminate wasteful expenditure, some pillars will have to be dismantled, speeches will have to be abandoned, and investments in the private sector will have to be focused on instead of the government infrastructure. If the results of the previous government's investment meet were announced, or the current government's intentions were put into action, the economic burden would be reduced. It is up to the government to decide whether to create a budget crisis over the transactions of the state's five lakh government employees.

An agreement full of opportunities and challenges; success will be determined only by pragmatic and balanced implementation.

The India-US trade agreement is a testament to India's growing diplomatic capabilities, based on mutual respect. It will provide Indian products access to the US market and attract American investment. For the US, it is a strategic opportunity to reduce dependence on China. The agreement's success will depend on domestic reforms, strong infrastructure, and effective implementation, enabling India to become a global leader. The India-US agreement is a testament to India's diplomatic capabilities. It will provide Indian products greater access to the US market. Success will depend on domestic reforms and effective implementation. The agreement reached amid US President Donald Trump's unpredictable and volatile trade policies and ever-increasing tariff pressures is a direct testament to India's strengthening diplomatic capabilities. Even under adverse circumstances, India sent a clear message that any trade agreement will not be unilateral or US-centric, but will be based on the principles of reciprocity, respect, and equality. This reflects India's renewed confidence, whereby it is no longer merely a country seeking concessions, but is emerging as an influential global power, driven by sustained economic growth, political continuity, and the digital revolution. It is also becoming increasingly clear to the United States that achieving global economic balance and strategic goals will become increasingly difficult without India's participation. This shift is not only economic, but also psychological and diplomatic, underscoring India's growing acceptance in the balance of power.

From India's benefits of a future multifaceted and potential for greater the US market has are moving beyond aluminum tariffs, intellectual property structural supply chain collaboration, logistics, and potential for companies in India capital, advanced management skills. up new horizons for sized enterprises. US also serves

perspective, the economic trade agreement are far-reaching. First, the access for Indian products to increased. India-US relations issues such as steel and agricultural subsidies, rights, and visas, toward partnerships in areas such as strengthening, manufacturing technology and innovation, standardization. The increased investment by US will facilitate the flow of technology, and modern This trade agreement opens micro, small, and medium- The trade agreement with the India's economic interests, as well as America's. In recent years, China's economic policies, geopolitical aggression, and frequent supply chain disruptions have made America's over-dependence on China not just an economic problem but a strategic risk. In this context, India's large and young workforce, strong democratic institutions, rules-based economic system, and rapidly developing technological capabilities have led to a growing US interest in India. Cooperation in leading sectors such as defense, digital services, artificial intelligence, and clean energy clearly signals a shift in America's long-term strategic priorities. What was previously implicit and informal may now become a stated part of US strategic and trade policy. Overall, the India-US trade agreement is not merely an economic document, but a powerful symbol of India's evolving global identity. It not only clearly defines India's national interests but also has the potential to shape the global economic and strategic order. If implemented with foresight, balance, and robust domestic reforms, this agreement could prove highly beneficial in establishing India as a developed, self-reliant, and global leader. Trade agreements with the UK, New Zealand, Oman, and the European Union can enable Indian MSMEs not only to expand production but also to reach international standards of quality, standardization, and competitiveness. This will strengthen the structure of domestic industries, spur widespread employment generation, and significantly contribute to reducing regional economic imbalances. In the contemporary global order, trade is no longer merely a means of economic transaction, but has become an effective tool for geopolitical influence, power balance, and strategic interests. Initiatives like the Quad, Indo-Pacific Cooperation, and the India-US trade agreement are no longer isolated endeavors but are driven by a shared strategic vision. This is a modern form of economic diplomacy, where trade partnerships strengthen strategic objectives, and strategic cooperation opens new vistas of economic opportunity. While the opportunities arising from trade agreements are vast and far-reaching, the challenges are also no less. It will be essential to equip domestic industries to compete globally, accelerate regulatory reforms, advance labor reforms in a balanced manner, and strengthen logistics and infrastructure. Without proper and timely attention to these internal reforms, the potential of trade agreements with the United States and other countries could be limited. The true success of trade agreements lies not in their formal approval, but in their effective, practical, and balanced implementation. shall be vested in the decision.

The Supreme Court held a mirror to hate speech, refusing to hear it.

The Supreme Court dismissed Kapil Sibal's hate speech petition, which targeted BJP Chief Ministers. The court emphasized the challenge of the definition of hate the case of Udhayanidhi against politicians and the media. The Supreme Court The petition alleged targeting hate speech and political bias Court was correct in refusing lawyer Kapil Sibal, which speech, citing statements Uttar Pradesh, and that the petition targeted BJP that they alone were this petition cleverly omitted parties. This petition, which hate speech, only reveals the be seen whether they will file Supreme Court will issue effective guidelines against defining what constitutes hate be ignored that sometimes hateful, while sometimes

speech and political bias. The article, citing Stalin, also highlighted the lack of action problem of hate comments on digital dismissed Kapil Sibal's hate speech petition. of BJP Chief Ministers. The definition of pose a major challenge. The Supreme to hear the petition by politician and sought stricter guidelines against hate made by the Chief Ministers of Assam, Uttarakhand. The Supreme Court found Chief Ministers and attempted to prove responsible for hate speech. It's clear that the toxic speeches of leaders from other targets leaders of a particular party against petitioners' own prejudice. It remains to an amended petition and whether the guidelines on it. This is not an easy task, as hate speech can only be established by and what does not. In this context, it cannot the expression of harsh truths is labeled as attempts are made to disguise hate speech as freedom of expression. Amidst all this, hateful, divisive, or inflammatory speeches by politicians persist. Cases of action against leaders who deliver hate speech are rare. This is because when a leader delivers such speeches, members of his party often come forward to defend him. It has also been observed that state governments are often biased in taking action against hate speech. Sometimes they take strict action against someone, while sometimes they ignore even highly objectionable statements. The most shocking case of this kind is that of Tamil Nadu Minister Udhayanidhi, who compared Sanatana Dharma to dengue and malaria and called for its elimination. However, the state government did not take any action against him because he is the son of Chief Minister Stalin. The Supreme Court's directive in this matter was also ignored. Ultimately, only after the judiciary intervened could a case be filed against him. The problem is not only that political discourse is becoming toxic due to the disregard for constitutional values ??and etiquette, and this environment is becoming a breeding ground for hate speech. The problem is also that due to the lack of regulation, hate comments are rampant on digital media, which is further poisoning public discourse.

जिद्दी इश्क जीत गया: एक ने कोतवाली तो दूसरी ने प्रेमी के घर डाला डेरा, आखिरकार दोनों का निकाह हुआ तय

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मनोज प्रमाण ने बताया कि दोनों मामलों में आपसी सहमति बन गई है। पीलकपुर गुमानी और रामनगर दोनों पक्षों ने निकाह के लिए हामी भर दी है। समझौता हो जाने के कारण किसी के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई। इश्क जब जिद पर उतर आए तो रास्ते खुद बन जाते हैं। ठाकुरद्वारा में ऐसा ही नजारा देखने को मिला। जब दो युवतियां अपने प्रेमी को पाने के लिए घर और कोतवाली तक पहुंच गईं। एक ने कोतवाली में धरना दिया तो दूसरी प्रेमी के घर के बाहर डट गई। उनकी जिद रंग लाई और दोनों पक्ष निकाह के लिए राजी हो गए।तीन साल से था दोनों में प्रेम संबंध- पहला मामला मुरादाबाद के ठाकुरद्वारा नगर के वार्ड तीन की युवती का है। उसका रामनगर निवासी युवक से करीब तीन साल से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। उसका आरोप है कि युवक ने निकाह का वादा कर संबंध बनाए लेकिन बाद में मुकर गया। इस पर युवती ने कोतवाली पहुंचकर शिकायत दी। पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में लिया। बातचीत के बाद युवक और उसके परिजन रविवार को निकाह के लिए तैयार हो गए। आखिर परिवार को झुकना पड़ा- दूसरा मामला कोतवाली क्षेत्र के गांव पीलकपुर गुमानी का है। यहां एक युवती का गांव के ही युवक से करीब एक वर्ष से प्रेम संबंध था। दोनों निकाह करना चाहते थे लेकिन परिवार की सहमति नहीं मिल रही थी। रात को युवती प्रेमी के घर पहुंच गई और वहीं धरने पर बैठ निकाह की मांग करने लगी। सूचना पर पुलिस पहुंची और युवती को कोतवाली ले आई। जहां उसने कहा कि निकाह नहीं होगा तो कानूनी कार्रवाई करवाएगी। पुलिस बोली- समझौता हो गया - कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मनोज प्रमाण ने बताया कि दोनों मामलों में आपसी सहमति बन गई है। पीलकपुर गुमानी और रामनगर दोनों पक्षों ने निकाह के लिए हामी भर दी है। समझौता हो जाने के कारण किसी के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई।

मुगलपुरा में टैक्स वसूलने गई नगर निगम की टीम पर हमला, पार्षद ने फाड़ दी रसीद बुक, जमकर हंगामा

मुगलपुरा थाना क्षेत्र में टैक्स की वसूली के लिए गई नगर निगम की टीम पर हमला कर दिया गया। आरोप है कि वसूली के दौरान घर से निकले लोगों ने गाली-गलौज और धक्का-मुक्की की। निगम टीम का कहना है कि स्थानीय पार्षद कमर सलीम ने भी आरोपियों का साथ दिया। पुलिस से शिकायत की गई है। मुगलपुरा थाना क्षेत्र में हाउस और वाटर टैक्स वसूली करने गई नगर निगम की टीम पर हमला कर दिया गया। आरोप है कि स्थानीय पार्षद कमर सलीम ने भी आरोपियों का साथ दिया और सरकारी कार्य में बाधा डाली। इस मामले में पुलिस ने पार्षद, मकान स्वामी और कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।नगर निगम के राजस्व निरीक्षक सतीश कुमार ने मुगलपुरा में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह बृहस्पतिवार को अपनी टीम के साथ मुगलपुरा क्षेत्र में मोहल्ला खारीकुआं क्षेत्र में हाउस टैक्स, वाटर टैक्स और सीवर टैक्स की वसूली के लिए गए थे।बन्ने बेग के मकान पर करीब 1.41 लाख रुपये बकाया था। टीम ने पहले से दिए गए नोटिस का हवाला देते हुए बकाया जमा करने को कहा। आरोप है कि इस दौरान घर से पांच-छह लोग बाहर आए और टीम के साथ गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर धक्का-मुक्की की गई। निगम की टीम का आरोप है कि स्थानीय पार्षद कमर सलीम लोगों के समर्थन में आ गए और सरकारी रसीद बुक छीनकर उसकी एक रसीद फाड़ दी गई और कर्मचारियों को जान से मारने की धमकी दी गई। एक कर्मचारी ने घटना का वीडियो बनाने की कोशिश की तो उसका मोबाइल छीनने का प्रयास किया गया जिससे मोबाइल नीचे गिर गया। एसपी सिटी कुमार ने बताया कि इस मामले में पार्षद कमर सलीम, बन्ने बेग और अज्ञात लोगों पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। एसएसपी से मिले नगर निगम कर्मचारी संघ के पदाधिकारी - मुगलपुरा थाना क्षेत्र में नगर निगम की टीम पर हुए हमले के मामले में शुक्रवार को नगर निगम कर्मचारी संघ के अध्यक्ष मोहम्मद सुभाष शमशाद हुसैन, संजीवन कुमार, आसिफ अली, सतीश कुमार और अन्य पदाधिकारी कर्मचारी एसएसपी सपताल अंतिल से मिले और कार्रवाई की मांग की। उधर, अपर नगर आयुक्त अजीत कुमार ने बताया कि टीम के साथ अभद्रता के मामले में हमारी ओर से पुलिस को कार्रवाई करने के लिए पत्र भेजा गया है। नगर निगम की टीम के आरोप बेबुनियाद है। निगम की टीम ने लोगों के साथ गलत बर्ताव किया। उन्होंने तो अपील की थी कि हाउस टैक्स का बकाया तो लोगों को जमा करना ही होगा लेकिन उन्हें रमजान में परेशान न किया जाए। -कमर सलीम, पार्षद वार्ड-65

दिल्ली-पंजाब से बिहार तक चलेंगी छह स्पेशल ट्रेनें, सभी यूपी होकर जाएंगी, होली में यात्रियों को राहत

होली पर बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने छह नई स्पेशल ट्रेनों के संचालन की घोषणा की है। इसमें पांच दिल्ली और पंजाब से बिहार के बीच मुरादाबाद होकर चलेंगी। होली पर ट्रेनों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने छह और स्पेशल ट्रेनें चलाने की घोषणा की है। इनमें से पांच ट्रेनें दिल्ली, पंजाब से बिहार के बीच मुरादाबाद होकर चलेंगी। जबकि एक पैसेंजर स्पेशल ट्रेन का संचालन तिलक ब्रिज से मुरादाबाद तक किया जाएगा।अन्य स्पेशल ट्रेनों में भी जनरल टिकट लेकर सफर करने की अनुमति होगी। सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता ने बताया कि दिल्ली व पंजाब से बिहार के बीच सबसे ज्यादा यात्री ट्रेनों में सफर करते हैं। लिहाजा इन रूटों पर सबसे अधिक स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं।मुरादाबाद मंडल से गुजरने वाली स्पेशल ट्रेनों की संख्या अब 24 हो गई है। इन सभी ट्रेनों में तेजी से बुकिंग हो रही है। यात्रियों को कंफर्म टिकट के लिए अब परेशान होना नहीं पड़ रहा है। यह स्पेशल ट्रेनें चलेंगी - 04616/15 फिरोजपुर कैंट-दानापुर-फिरोजपुर कैंट 04312/11 योगनगरी ऋषिकेश-कोलकाता-योगनगरी ऋषिकेश 04614/13 अमृतसर-कटिहार-अमृतसर 04412/11 तिलक ब्रिज-मुरादाबाद-तिलक ब्रिज 05575/76 सहरसा-आनंद विहार-सहरसा 05579/80 पूर्णिया कोर्ट-आनंद विहार-पूर्णिया कोर्ट

ऑस्ट्रेलिया में कुणाल का कमाल, आईटीटीएफ वर्ल्ड पैरा फ्यूचर में जीता कांस्य पदक

मुरादाबाद । रामगंगा विहार निवासी कुणाल अरोड़ा ने ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में आयोजित आईटीटीएफ वर्ल्ड पैरा फ्यूचर गोल्ड कोस्ट-2026 चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर देश और शहर का नाम रोशन किया। 16 से 18 फरवरी तक आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में कुणाल ने सिंगल और मेंस डबल्स दोनों वर्गों में शानदार प्रदर्शन किया। सिंगल मुकाबलों में कुणाल का सामना ऑस्ट्रेलिया और जापान के खिलाड़ियों से हुआ। दोनों ही मैच बेहद कड़े और नजदीकी स्कोर वाले रहे, हालांकि उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद उन्होंने हौसला नहीं छोड़ा और डबल्स मुकाबले में दमदार वापसी की।मेंस डबल्स में कुणाल अरोड़ा ने तेलंगाना के हितेश डोलवानी के साथ जोड़ी बनाई। पहले मुकाबले में भारतीय जोड़ी को ऑस्ट्रेलिया की टीम के खिलाफ 0-3 से हार झेलनी पड़ी, लेकिन दूसरे मुकाबले में शानदार खेल दिखाते हुए ऑस्ट्रेलिया की ही दूसरी टीम को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में मुकाबला जापान के खिलाड़ियों से हुआ। यह मैच भी बेहद रोमांचक और नजदीकी रहा, लेकिन अंततः कुणाल और हितेश को हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही भारतीय जोड़ी ने कांस्य पदक अपने नाम किया। कुणाल अरोड़ा इससे पहले भी भारतीय टीम की ओर से देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इस कांस्य पदक के साथ अब उनके राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कुल 33 पदक हो चुके हैं। कुणाल ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता यशपाल अरोड़ा और सोनिया अरोड़ा तथा अपने कोच को दिया।

ये है मुरादाबाद का जिला अस्पताल, यहां तो वार्ड बॉय का का भी करते हैं तीमारदार, पड़ताल में हकीकत आई सामने

मुरादाबाद जिला अस्पताल में अव्यवस्थाओं की तस्वीर सामने आई है। जहां मरीजों को स्ट्रेचर और व्हीलचेयर पर ले जाने की जिम्मेदारी वार्ड बॉय की होने के बावजूद तीमारदारों को ही उठानी पड़ रही है। मुरादाबाद जिला अस्पताल में तीमारदारों को ही जाना पड़ रहा है। जबकि यह काम वार्ड बॉय का सामने आए जहां लोग अपने मरीजों को व्हीलचेयर व्हीलचेयर पर खुद लेकर आया जिला अस्पताल में सूफियान अपने भाई फरमान को व्हीलचेयर पर उन्होंने बताया कि भाई को खांसी और सांस की करवाया गया था, लेकिन उपचार के बाद भी कोई उपचार के लिए भाई को दिल्ली रेफर कर दिया है। लेकर नहीं आता। यहां तक कि एक्स-रे करवाने के ही लेकर जाना पड़ेगा- कांठ निवासी सोनू ने बताया हीमोग्लोबिन कम होने की वजह से कमजोरी बहुत लेकर आए थे। यहां से उनको उपचार के लिए भर्ती को स्ट्रेचर पर लेकर आ रहे थे। जब हमने कहा तो लाना है। बुजुर्ग चल नहीं पा रही थीं..व्हील चेयर कि मेरी दादी के हाथ की हड्डी टूट गई है। उनको

स्ट्रेचर और व्हीलचेयर पर मरीजों को खुद ही ले होता है। शनिवार को इस तरह के कई मामले और स्ट्रेचर पर खुद ही ले जाते दिखे। भाई को दोपहर 12 बजे संभल के सराय तरीन निवासी बैठाकर वार्ड से बाहर खुद ही लेकर आ रहे थे। समस्या है। चार दिन पहले भाई को यहां पर भर्ती फायदा नहीं हुआ। अब चिकित्सकों ने आगे के उन्होंने बताया कि कोई भी वार्ड बॉय व्हीलचेयर लिए भी खुद ही लेकर गए। वार्ड बॉय बोला...खुद कि मेरी दादी की कई दिन से तबीयत खराब थी। ज्यादा हो गई। उन्हें उपचार के लिए इमरजेंसी में करने के लिए कह दिया है। वार्ड बॉय दूसरे मरीज बोले कि खुद ही लेकर जाइए। मुझे दूसरा मरीज नहीं मिली- कटघर निवासी आकाश ने बताया उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर आए थे। यहां कर्मचारी कभी हमें 17 नंबर कमरे में भेज देते हैं तो कभी 15 नंबर कमरे के जाने के लिए कह देते हैं। बाद में कहा कि इमरजेंसी में जाकर फाइल बनवा लो। दादी को पैरालाइज भी हो गया था। इसकी वजह से उनको चलने में परेशानी है। व्हीलचेयर हमें मिली नहीं तो खुद ही सहारा देकर ले जा रहे है मरीजों की सुविधा वाली एक लिफ्ट है खराब- मरीजों को पहली और दूसरी मंजिल पर ले जाने के लिए इमरजेंसी के पास दो लिफ्ट लगाई गई हैं। इसमें एक लिफ्ट दो दिन से खराब है। वहां मौजूद कर्मचारी ने बताया कि लिफ्ट फंस-फंस कर चल रही थी। किसी मरीज को कोई दिक्कत न हो जाए, इसलिए उसे बंद कर दिया गया है। स्ट्रेचर और व्हीलचेयर लाने-ले जाने के लिए शिफ्टवाइज कर्मचारियों की ड्यूटी रहती है। वार्ड में भी वार्ड बॉय की ड्यूटी रहती है। कई बार वार्ड बॉय दवाई आदि लेने के लिए जाते हैं। हो सकता है कि तब मरीज खुद लेकर आए हों। अगर कहीं लापरवाही रही होगी तो कार्रवाई की जाएगी। × डॉ. संगीता गुप्ता, सीएमएस

संक्षिप्त समाचार

नेपाली महिला की दहेज हत्या में पति को दस साल की कैद, दोषी पर 20 हजार का जुर्माना

मझोला थाना में दर्ज दहेज हत्या मामले में विशेष न्यायाधीश सुरेंद्र कुमार की अदालत ने पति अंकित को दोषी ठहराया। अदालत ने उसे दस वर्ष की कैद और 20 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है।विशेष न्यायाधीश (एससी-एसटी एक्ट) सुरेंद्र कुमार की अदालत ने शुक्रवार को नेपाल की महिला की दहेज हत्या के मामले में पति अंकित को दोषी करार देते हुए दस साल की कैद की सजा सुनाई है, जबकि दोषी पर बीस हजार रुपये का जुर्माना लगाया है।मूलरूप से नेपाल निवासी रामबाबू थापा ने आठ अगस्त 2019 को मझोला थाने में मझोला के कांशी नगर निवासी अंकित, उसके भाई भोला और पिता महेंद्र सिंह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें रामबाबू ने बताया कि वह परिवार के साथ कटघर के महबुल्लागंज में रहता है।उसने अपनी बेटी पूजा थापा की शादी करीब ढाई साल पहले अंकित के साथ की थी। शादी के बाद से ही अंकित और उसके परिवार के लोगों ने दहेज के लिए पूजा को परेशान करना शुरू कर दिया था। 14 जुलाई 20219 को पूजा की पिटाई की गई थी। जिसमें आई चोटों के कारण 23 जुलाई 2019 उसकी मौत हो गई थी। रामबाबू का आरोप है कि अंकित और उसके परिवार के लोगों ने धमकी दी कि अगर शिकायत की तो तुम्हारी कहीं सुनवाई नहीं होगी। तुम नेपाल के रहने वाले हो। इस मामले में पुलिस ने आरोपी अंकित के खिलाफ दहेज हत्या समेत अन्य धाराओं में चार्जशीट दाखिल की थी। विवेचक ने कोई साक्ष्य न मिलने के कारण भोला और महेंद्र सिंह के नाम जांच में निकाल दिए गए थे। इस मामले की सुनवाई विशेष न्यायाधीश (एससी-एसटी एक्ट) सुरेंद्र कुमार की अदालत में चली।

रील देखने से रोका तो फंदे पर झूल गया नौवीं का छात्र, फार्मासिस्ट के बेटे ने सरकारी आवास में दी जान

मूंढापांडे सीएससी में तैनात फार्मासिस्ट के नाबालिग बेटे ने फंदे पर लटक कर जान दे दी। परिजनों ने बताया कि वह लगातार रील देखता रहता था। उसे मोबाइल छोड़ पढ़ाई करने को कहा तो तनाव में आ गया।मूंढापांडे थाना क्षेत्र में सीएससी में तैनात फार्मासिस्ट के नाबालिग बेटे ने शुक्रवार की शाम सरकारी आवास में फंदे पर लटक कर जान दे दी। परिवार वालों का कहना है कि वह पढ़ाई में कमजोर था, बावजूद इसके मोबाइल

पर रील देखता रहता था।उसे मोबाइल छोड़ पढ़ाई करने को कहा तो तनाव में आ गया और आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन परिवार के लोगों ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया। ऋषिकेश त्रिवेणी क्षेत्र में रहने वाले फार्मासिस्ट अपने परिवार के साथ सीएससी परिसर में ही सरकारी आवास में रहते हैं।उनका बड़ा बेटा इंजीनियरिंग करने के बाद औरैया की एक निजी कंपनी में नौकरी करता है जबकि दूसरे नंबर का 15 साल सका बेटा रामपुर के एक इंटर कॉलेज में नौवीं कक्षा में पढ़ता था जबकि तीसरे नंबर का बेटा कक्षा छह में पढ़ता है। परिवार के लोगों ने पुलिस को बताया कि छात्र पढ़ाई में कमजोर था। हर वक्त मोबाइल में रील देखता रहता था। स्कूल से आने के बाद भी वह छिपकर रील ही देखता था। कई बार उसे डांटा भी गया था और मोबाइल छीन लिया था। उसके साथ के छात्र भी उसे चिढ़ाने लगे थे। जिसकी वजह से तनाव में आ गया था। शुक्रवार की शाम छात्र की मां छोटे बेटे को ट्यूशन छोड़ने के लिए गई थी। कक्षा नौ का छात्र घर पर अकेला था। इसी दौरान वहर कमरे में जाकर दुपट्टे से पंखे के सहारे लटक गया। छोटे बेटे को छोड़कर मां लौटी तो बेटे को फंदे पर लटका देख शोर मचा दिया। शोर शराबा सुनकर स्वास्थ्य कर्मी और चिकित्सक पहुंच गए। छात्र को फंदे से उतारा गया लेकिन जब तक उसकी मौत हो चुकी थी। सीओ हाईवे राजेश कुमार बताया कि परिवार ने पोस्टमार्टम कराने से इन्कार कर दिया है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

हाईवे पर पेड़ से टकराई कार, महिला समेत तीन की मौत, शादी समारोह से लौट रहा था परिवार

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली में शादी समारोह से लौट रहे परिवार की कार शनिवार देर रात भीषण हादसे का शिकार हो गई। हादसे में दो बुजुर्गों और एक महिला की मौत हो गई, जबकि एक बच्चे सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को रामपुर रोड के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक मृतकों में रामपुर के कल्याणपुर शहजादनगर निवासी 30 वर्षीय मोनी पत्नी गोविंद, गोविंद के पिता पिता 60 वर्षीय खेमकरन व 85 वर्षीय फूफा रामगुलाम (निवासी शिवपुरी, थाना मुंडापांडे, मुरादाबाद) शामिल हैं। गोविंद, उनका दो वर्षीय बेटा और चाचा राम बहादुर गंभीर रूप से घायल हैं। गोविंद के साथ सभी लोग अपनी बुआ के बेटे राहुल की शादी में शामिल होने थाना शाही क्षेत्र के गांव मंसूरगंज गए थे। रात में वहां से घर लौट रहे थे। रात एक बजे दिल्ली हाईवे पर स्वाले नगर में इनकी कार सड़क के बीच खड़े सेमल के पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखचे उड़ गए। सड़क के बीच खड़े पेड़ की वजह से गई तीन लोगों की जान हादसे के बाद रविवार को सुबह घटनास्थल पर काफी भीड़ लग गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि कार सेमल के जिस पेड़ से कार टकराई, वह लंबे समय से सड़क के बीच खड़ा है। इससे पहले भी इस पेड़ की वजह से कई हादसे हो चुके हैं और कई लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। लोगों ने बताया कि पेड़ पर कोई रिफ्लेक्टर या चेतावनी संकेत नहीं लगाया गया था। इसके बावजूद प्रशासन ने पेड़ को हटाने की कोई कार्रवाई नहीं की गई। रामपुर रोड कई जगह से टूटा व जर्जर है। जगह-जगह गहरे गड्ढे भी हैं। रेत-बजरी के कारोबारियों ने सड़क किनारे अतिक्रमण कर रखा है।

मृत व्यक्ति को कागजों में जीवित दिखाकर हथिया ली सीलिंग भूमि

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। करीब नौ साल पहले एडीएम कोर्ट में विचाराधीन नगर सीलिंग के एक वाद में मृत व्यक्ति को कागजों में जीवित दिखाकर बेशकीमती सीलिंग भूमि हथियाने का आरोप लगाते हुए सदर संपूर्ण समाधान दिवस में शिकायत की गयी है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि बारादरी क्षेत्र के एक कंस्ट्रक्शन एंड डवलपर्स प्रालि कम्पनी के निदेशकों ने फर्जी कागजात से हरुनगला क्षेत्र में सीलिंग भूमि नगर सीलिंग से निकलवाकर राजस्व अभिलेखों में गड़बड़ी करा दी। आरोपियों के खिलाफ एफआईआर कराने की मांग की है। शिकायतकर्ता मो.दानिश ने अधिकारियों से मिलकर प्रकरण से जुड़े साक्ष्य भी सौंपे। एडीएम सिटी सौरभ दुबे की अध्यक्षता में तहसील सदर के सभागार में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में घेर जाफर खां निवासी मो. दानिश ने शिकायती पत्र सौंपते हुए कहा है कि आरोपियों ने धोखाधड़ी व जालसाजी से कूटरचित दस्तावेज के आधार पर 11 मई 2017 को एक प्रार्थना पत्र न्यायालय सक्षम प्राधिकारी/अपर जिलाधिकारी नगर (नगर) भूमि सीमारोपण में ग्राम हरुनगला की सीलिंग वाद पत्रावली सरकार बनाम मो. जकी में भूमि नगर सीलिंग से मुक्त कराने के संबंध दिया था, जिस प्रार्थना पत्र में मो. वसी उर्फ गोला खां का पंजीकृत मुख्त्यारेआम दिखाया। आरोप लगाया कि कूटरचित फर्जी मुख्यारेआम का विवरण अंकित किया।

युवती को भगा ले गया दूसरे समुदाय का युवक, गांव में तनाव

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / सीबीगंज। हिन्दू युवती से दूसरे समुदाय के युवक ने अपना हिन्दू नाम बताकर दोस्ती की । फिर अपने जाल में फंसाया और बहला-फुसलाकर साथ लेकर फरार हो गया। युवती को भगाने में युवक के भाई का भी हाथ है। घटना की तहरीर थाने में दी पुलिस ने तहरीर के आधार पर दो लोगों के विरुद्ध मुकद्दमा दर्ज किया है। सीबीगंज थाना क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले युवक ने बताया कि गांव का ही वाहिद उर्फ भूरा पुत्र सलीम उर्फ पहलवान ने धर्म बदल कर उसे अपने जाल में फंसाकर उससे दोस्ती की जिसके बाद उसकी बहन उसके चंगुल में फंस गई। आरोप हैं की 19 फरवरी की सांय करीब सात बजे अपने साथ बहला फुसलाकर भगा ले गया। युवती को भगाने में वाहिद उर्फ भूरा का भाई अनीस का भी सहयोग है। मामला दो समुदाय का होने के कारण गांव हालत तनावपूर्ण बने हुए हैं। पुलिस ने आरोपी दोनों भाइयों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है।

डिजिटल, विधिक दक्षता और अनुशासन से तेज होगी कानून की धार, तभी रुकेंगे अपराध : प्रो. केपी सिंह

एडीजी, डीआईजी से एसएसपी तक ने चेन आफ कस्टडी और सीसीटीएनएस पर क्लास रूम में दिये टिप्स

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली । बदलते आपराधिक कानूनों और तकनीकी न्याय प्रणाली के दौर में शनिवार को रुहेलखंड विश्वविद्यालय का ऑडिटोरियम पुलिस प्रशिक्षण की पाठशाला बन गया। पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश के निर्देश पर आयोजित एक दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स में बरेली जोन के नौ जनपदों के 181 थानों के पैरोकारों और कोर्ट मोहर्रिरों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि रुहेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि आधुनिक आपराधिक न्याय प्रणाली में विधिक दक्षता, अभिलेखों की शुचिता और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पारदर्शिता बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने विश्वविद्यालय और पुलिस तंत्र के इस समन्वय को ज्ञान और प्रशासन का सशक्त संगम बताया। उन्होंने कहा कि विधिक दक्षता, अनुशासन के साथ डिजिटल पुलिस प्रणाली को धारदार बनाकर अपराधों और अपराधों की जन्मस्थली को बांझ बनाया जा सकता है। रुहेलखंड विश्वविद्यालय में हुआ यह प्रशिक्षण महज औपचारिक आयोजन नहीं रहा, बल्कि बदलती आपराधिक संरचना के अनुरूप पुलिस तंत्र को अपडेट करने की सशक्त पहल बना। अकादमिक नेतृत्व और पुलिस प्रशासन का यह समन्वय आने वाले समय में विवेचना की गुणवत्ता और अभियोजन की प्रभावशीलता को नई गति देने देगा। प्रथम सत्र में संयुक्त निदेशक (अभियोजन) अच्छेलाल यादव ने भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के प्रावधानों पर विस्तार से प्रकाश डाला। पैरोकारों और कोर्ट मोहर्रिरों की भूमिका को आपराधिक न्याय प्रणाली की धुरी बताते हुए अभियोजन की मजबूती पर जोर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट के आदेशों से लेकर डिजिटल ट्रैकिंग तक द्वितीय और तृतीय सत्र में उच्चतम न्यायालय और उत्तर प्रदेश उच्च न्यायालय के महत्वपूर्ण आदेशों की समीक्षा की गई। संयुक्त निदेशक (प्रशिक्षण) के.के. शुक्ल ने चेन आफ कस्टडी, रिमांड प्रक्रिया, साक्ष्य प्रस्तुतिकरण, ई-समन, आईसीजेएस, सीसीटीएनएस, ई-मालखाना और एनएसटीईपी जैसे तकनीकी बिंदुओं पर व्यावहारिक मार्गदर्शन दिया। हर सत्र के बाद प्रश्नोत्तर के माध्यम से मैदानी चुनौतियों पर चर्चा हुई। शिक्षा का अनुसंधान केंद्र बना खाकी के कानूनों की पाठशाला कार्यक्रम में अपर पुलिस महानिदेशक बरेली जोन रमित शर्मा, पुलिस उपमहानिरीक्षक बरेली परिक्षेत्र अजय कुमार साहनी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशिक्षण निदेशालय रिजुल सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। 780 प्रतिभागियों में 709 थाना पैरोकार, कोर्ट मोहर्रिर, मॉनिटरिंग सेल प्रभारी और 71 अन्य पुलिस कर्मी शामिल थे। मुरादाबाद परिक्षेत्र के डीआईजी मुनीराज सहित अन्य अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े।

एक रात में तीन थानों की कार्रवाई में लाखों की अफीम के साथ चार गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। यूपी के बरेली में नशा तस्करी के खिलाफ पुलिस ने एक ही रात में बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन अलग-अलग थाना क्षेत्रों से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।शहर के प्रेमनगर, बारादरी और आंवला थाना पुलिस की इस संयुक्त सख्ती में करीब ढाई किलो से अधिक अवैध अफीम बरामद हुई है। इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लाखों रुपये आंकी जा रही है।, शहर के प्रेमनगर थाना क्षेत्र में रात की गश्त के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि कुदेशिया पुल के पास एक व्यक्ति नशीला पदार्थ बेचने की फिराक में खड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने घेराबंदी कर 38 वर्षीय निरोत्तम मौर्य को दबोच लिया।तलाशी में उसके पास से 534 ग्राम अवैध अफीम, करीब 1100 रुपये नकद और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। अफीम की अनुमानित अंतरराष्ट्रीय कीमत लगभग 15 लाख रुपये बताई जा रही है शहर के बारादरी थाना पुलिस ने भरतौल रोड स्थित ब्लॉक गोदाम के पास चेकिंग के दौरान दो युवकों को गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान अरविंद और दिनेश के रूप में हुई है। दोनों के कब्जे से 741 ग्राम अवैध अफीम बरामद की गई, जिसकी कीमत करीब 16 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक मोटरसाइकिल भी जब्त की है। इस मामले में एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है। इसी कड़ी में आंवला थाना पुलिस ने बाजार मऊचंदपुर क्षेत्र में गश्त के दौरान सूचना पर बड़ी सफलता हासिल की। पुलिस ने 24 वर्षीय मुनीश कुमार को 1 किलो अवैध अफीम और एक मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया। आरोपी अलीगंज थाना क्षेत्र के कुण्डरिया फैजुल्लापुर गांव का रहने वाला है। पुलिस ने मोटरसाइकिल को मोटर वाहन अधिनियम के तहत सीज कर दिया है। तीनों मामलों में पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की सख्त धाराओं के तहत मुकदमे दर्ज किए हैं।गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर नशा तस्करी के नेटवर्क की कड़ियां जोड़ी जा रही हैं। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेजने की कार्रवाई की गई है।

एक पेड़ परीक्षा के नाम, केसर इंटर कॉलेज बहेड़ी में अधिकारियों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बोर्ड परीक्षा के औचक निरीक्षण में नकलविहीन व शुचितापूर्ण परीक्षा पर जताई संतुष्टि

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बहेड़ी,बरेली। बोर्ड परीक्षाओं के बीच पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संदेश देते हुए केसर इंटर कॉलेज के बोर्ड परीक्षा केंद्र पर अधिकारियों ने एक पेड़ परीक्षा के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया। प्रथम पाली में सामाजिक विषय की परीक्षा का औचक निरीक्षण डॉ अजीत कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक, द्वारा किया गया। वहीं द्वितीय पाली में अंग्रेजी विषय की परीक्षा का निरीक्षण मुन्ने अली, अपर सचिव माध्यमिक शिक्षा परिषद एवं शिक्षा उपनिदेशक ने किया। दोनों अधिकारियों ने केंद्र पर नकलविहीन, शांतिपूर्ण और शुचितापूर्ण परीक्षा व्यवस्था पर प्रसन्नता व्यक्त की। राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त प्रधानाचार्य एवं केंद्र व्यवस्थापक डॉ रवि प्रकाश शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और विद्यार्थियों को प्रकृति से जुड़ने की प्रेरणा दी। अधिकारियों ने शिक्षिका सीता द्वारा बनाई गई परीक्षा प्रोत्साहन रंगोली का अवलोकन किया तथा बोर्ड परीक्षा के स्ट्रांग रूम का भी निरीक्षण किया। व्यवस्थाओं को संतोषजनक पाते हुए उन्होंने केंद्र प्रशासन की सराहना की। इस अवसर पर स्टेटिक मजिस्ट्रेट अभिनव श्रीवास्तव, एसीएस पूनम सिंह, उपप्रधानाचार्य चंद्रभानु सिंह, प्रवक्ता हरमिंदर सिंह, प्रधानाचार्य एसपी सिंह सहित विद्यालय का शिक्षण व गैर-शिक्षण स्टाफ, इको क्लब और परीक्षा प्रभारी प्रिय इंद्रजीत सिंह बग्गा तथा अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से परीक्षा की शुचिता के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया, जिसे उपस्थित शिक्षकों और कर्मचारियों ने सराहा।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित पूर्व प्रधानाचार्या के निधन पर शोक जताया

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। डीएवी कालीचन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरेली में उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद बरेली के तत्वाधान में उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद बरेली की पूर्व उपाध्यक्ष एवं आर्य पुत्री इंटर कॉलेज की सेवानिवृत्त प्रधानाचार्या डाक्टर मिथलेश भदौरिया का 15 फरवरी को हुए आक्समिक निधन हो गया।उनको श्रद्धांजलि देते हुए शोक सभा आयोजित की गई ,इस दौरान परिषद के प्रांतीय संयोजक डा सुरेश चंद्र रस्तोगी , प्रांतीय महा मंत्री डाक्टर मनोज कुमार, प्रांतीय उपाध्यक्ष डाक्टर संदीप इंदवार, उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के मंडलीय अध्यक्ष डाक्टर रण विजय यादव , सेवा निवृत्त प्रधानाचार्य शरद कांत शर्मा, सेवा निवृत्त प्रधानाचार्या डाक्टर चन्द्रा मिश्रा, गुलाब राय इण्टर कालेज के प्रधानाचार्य डा0 एस0 पी 0पांडेय, डी0 ए0 वी 0कालीचरन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य संजय यादव , परिषद के जिला अध्यक्ष डा लाखन सिंह यादव, जिला मंत्री डाक्टर अजीत सक्सेना, जिला उपाध्यक्ष चमन जहां , सैयद जाकिर अली , जिला संगठन मंत्री विवेक मोहन सिंह, परमेश्वर दयाल , तुलसी दास किला चंद इंटर कॉलेज फतेहगंज के प्रधानाचार्य डॉ एस 0पी 0सक्सेना ,भारत सेवक समाज इण्टर कालेज राजौरी नवादा के प्रधानाचार्य डॉक्टर के एस मिश्रा , आदर्श शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज गोपालपुर अजीजपुर के प्रधानाचार्य सत्यवीर आर्य तथा आयोजक विद्यालय के शिक्षक नीरज कुमार वर्मा , लता सत्यपाल ,हेमलता शर्मा ने ईश्वर से प्रार्थना की दिवंगत आत्मा को शांति की प्रार्थना कर उनके परिजनों को इस दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

सिटी मजिस्ट्रेट आवास की काट दी 22 लाख की आरसी नाराजगी पर बैकफुट पर अधिकारी

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। बिजली विभाग के अधिकारियों ने गजब कर दिया। एडीएम कंपाउंड स्थित सिटी मजिस्ट्रेट आवास की 22 लाख से अधिक की आरसी काट दी। रामपुर गार्डन स्थित बिजली विभाग के कार्यालय से अधिशासी अभियंता की ओर से आरसी जब प्रशासन के पास पहुंची तब हल्ला मच गया। यह वही आवास है, जहां से निलंबित सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने यूजीसी और प्रयागराज में बटुकों के अपमान होने के विरुद्ध सरकार विरोधी नारे लगाते हुए आक्रोश जताया था। आरसी कलेक्ट्रेट पहुंचने पर उच्चाधिकारियों ने सख्त नाराजगी जताई। मामला लीक न हो जाए, इसके लिए जिला संग्रह कार्यालय से लेकर तहसील सदर तक के अधिकारियों ने सिटी मजिस्ट्रेट आवास की आरसी की फाइल छिपा दी। प्रशासनिक वरिष्ठ अफसरों तक यह मामला पहुंचा तो आरसी वापस कराने के निर्देश दिए। प्रशासन की कड़ी आपत्ति पर बिजली विभाग के अधिकारी बैकफुट पर आ गए।

सीएचसी पर लगा नसबंदी शिविर

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / फरीदपुर ,बरेली। फरीदपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉ अनुराग गौतम की देखरेख में नसबंदी कैंप आयोजित किया गया। इस शिविर में 13 महिलाओं की नसबंदी की गई। बताते चलें कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फरीदपुर में नसबंदी कैंप का आयोजन किया गया। चिकित्सा अधीक्षक डॉ अनुराग गौतम के निर्देशन में शिविर लगा। इसमें 13 महिलाओं की नसबंदी हुई। इस मौके पर परिवार नियोजन के प्रति लोगों को जागरूक किया गया उनका परिवार नियोजन के संसाधनों की जानकारी दी गई। लाभार्थियों को 102 एम्बुलेंस से घर पर भेजा गया। कैंप में डॉक्टर सीमा, डॉक्टर अर्चना अग्रवाल, कार्यक्रम प्रबंधक अनुराग शर्मा, विनीत एआरओ, प्रीती राना स्टाफ नर्स,साधना स्टाफ नर्स, एलिश स्टाफ नर्स, रूचि जयसवाल, उमेश,गंगा देवी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

एक परिवार, पांच लाशें: नहीं मिला किसी को अपनों का कंधा, ट्रैक्टर-ट्रॉली में डाल ले गए शव; उठ रहे ये पांच सवाल

एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत की गुत्थी और सही कारणों तक पहुंच पाना पुलिस के लिए चुनौती भरा है। अभी तक की जांच पड़ताल में यह साफ हो चुका है कि बच्चों की जहर देकर जान ली गई है जबकि पत्नी को भी जहर दिया गया और गले पर चाकू से प्रहार भी किया। पत्नी और बच्चों की जान लेने के बाद सत्यवीर ने खुद फंदे पर लटकर जीवन समाप्त कर लिया। यूपी के कासगंज स्थित अमांपुर में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया। मृतकों को अंतिम संस्कार तक अपनों का कंधा नहीं मिल सका, और उन्हें ट्रैक्टर-ट्रॉली से श्मशान घाट ले जाकर विदाई दी गई। इनकी गई जान- अमांपुर के एटा रोड स्थित मकान से शनिवार शाम पुलिस ने सत्यवीर, उनकी पत्नी रामश्री, बेटियां प्राची और अमरवती और बेटा गिरीश के शव बरामद किए। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने सभी शव कब्जे में लेकर देर रात एंबुलेंस से पोस्टमार्टम के लिए भेज दिएगांव में छाई चुप्पी, बहते रहे आंसू रविवार सुबह करीब 7-30 बजे पोस्टमार्टम के बाद शव गांव पहुंचे। गांव में छाई गहरी चुप्पी और परिजनों की आंखों में आंसू थे। परिस्थितियां ऐसी रहीं कि मृतकों को अंतिम संस्कार में अपनों का कंधा भी नहीं मिल सका। परिजनों ने शवों को गांव के समीप आम के बाग में रखवाया और बाद में ट्रैक्टर-ट्रॉली में रखकर श्मशान घाट तक ले जाया गया। एक साथ पांच लोगों की मौत ने गांव के लोगों के दिलों को झकझोर कर रख दिया। इस दर्दनाक घटना ने न केवल परिवार को उजाड़ दिया बल्कि पूरे क्षेत्र में शोक और संवेदनाओं की लहर फैला दी। ग्रामीण और परिजन आज भी इस हृदयविदारक क्षण को याद कर आंसू नहीं रोक पा रहे हैं।आर्थिक तंगी बनी काल- आर्थिक तंगी से जूझ रहे सत्यवीर ने पत्नी रामश्री के जेवर भी गिरवीं रख दिए थे, लेकिन सोना चांदी की अच्छी कीमतें होने के कारण सत्यवीर के मन में आया कि वह गिरवीं रखे जेवर बेचकर गिरवीं की रकम चुका देगा और कुछ पैसा भी बच जाएगा। उसने 27 हजार रुपये में जेवर गिरवीं रखे थे। इस तथ्य की जानकारी अमांपुर के बृजेश कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि जिस व्यक्ति के पास सत्यवीर ने जेवर गिरवीं रखे थे। उस व्यक्ति से सत्यवीर ने कहा था कि कुछ देर बाद जेवर बेचकर रुपये लौटा जाएगा, लेकिन वापस नहीं आया। यह जेवर वह 18 फरवरी को लेकर घर गया था। हो सकता है जेवर बिक्री की बात पर पत्नी से कोई विवाद की स्थिति बनी हो जो इस बड़ी घटना का कारण बनी हो। इस बात की लोगों के बीच काफी चर्चा रही।दो चिकित्सकों के पैनल ने किया पोस्टमार्टम, कराई वीडियोग्राफी पांच लोगों की मौत के कारणों की गुत्थी पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट हो चुकी है। दो चिकित्सकों के पैनल ने सभी पांचों शवों का पोस्टमार्टम किया और पोस्टमार्टम की वीडियोग्राफी भी की गई। बच्चों की मौत जहर से हुई है जबकि पत्नी की मौत गले पर धारदार हथियार के वार से। बच्चों को किसी खाद्य पदार्थ के साथ जहर का सेवन कराया गया। पोस्टमार्टम टीम ने बच्चों का बिसरा प्रिजर्व किया है। जिसकी जांच होगी। दो डॉक्टर के पैनल ने सभी पांच शवों का पोस्टमार्टम किया है। वीडियोग्राफी भी कराई गई है। बच्चों की मौत जहर से हुई है। जबकि महिला की मौत गले पर धारदार हथियार के वार से हुई है। - डॉ. राजीव अग्रवाल, सीएमओ।सत्यवीर के अवसाद में जाने के 5 प्रमुख कारण आए सामने 1- सत्यवीर का बेटा गिरीश न्यूरो समस्या से गंभीर बीमार था। 15 से 20 हजार रुपये महीने का खर्च इलाज में आ रहा था। बेटे का इलाज आगरा में चल रहा था। 2- सत्यवीर आर्थिक तंगी के कारण अमांपुर कस्बे के पिता के नाम के मकान में भी हिस्सेदारी की मांग कर रहा था। इस मकान में उसका भाई देशराज रहता है। 3- उधार रुपये चुकाने का भी दबाव बना हुआ था। सत्यवीर ने कुछ लोगों से अलग-अलग उधार रुपये ले रखे थे। उधार देने वाले लोग लगातार रुपये मांग रहे थे। 4- सत्यवीर के नाम एक बोलेरो कार थी। जो किराए पर चलती थी। पिता इसका संचालन कराते थे। बोलेरो की दुर्घटना होने पर मुआवजे की राशि सत्यवीर को मिली। जिसमें कुछ रुपये उसने अपने पास रख लिए। यह रुपये रखने के लिए परिवार के लोगों से कहासुनी भी होती थी। 5- सत्यवीर के हिस्से की जमीन पर परिवार के लोग कब्जा जमाए थे और उसके खेती करने में अड़चनें पैदा कर रहे थे। लोगों के बीच इस तरह की चर्चाएं काफी थीं।तीव्र दुर्गंध थी जहर की, मौके से मिला खरपतवारनाशक का खाली डिब्बा- एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत की गुत्थी और सही कारणों तक पहुंच पाना पुलिस के लिए चुनौती भरा है। अभी तक की जांच पड़ताल में यह साफ हो चुका है कि बच्चों की जहर देकर जान ली गई है जबकि पत्नी को भी जहर दिया गया और गले पर चाकू से प्रहार भी किया। पत्नी और बच्चों की जान लेने के बाद सत्यवीर ने खुद फंदे पर लटकर जीवन समाप्त कर लिया। फॉरेंसिक टीम को एक खरपतवारनाशक का खाली डिब्बा मौके से मिला वहीं एक चाकू भी। जिस पर रक्त के निशान लगे हैं।कौन सा जहर दिया, किसी को नहीं पता- सत्यवीर ने जान लेने के लिए कौन सा जहर खिलाया यह अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि जान लेने में जिस जहर का प्रयोग किया वह काफी तीव्र है और उसकी दुर्गंध काफी अधिक है। इसके अलावा फॉरेंसिक टीम ने तीन घंटे तक काफी गहनता से एक एक चीज की जांच पड़ताल की जिससे कोई स्पष्ट साक्ष्य हाथ लग सके। कोई भी सुसाइड नोट नहीं मिला। जिससे घटना का कारण स्पष्ट नहीं हो पा रहा। डॉग स्क्वाइड टीम को भी कोई सुराग मौके पर नहीं मिल सका। फॉरेंसिक टीम साक्ष्यों का लगातार विश्लेषण कर रही है। पुलिस के अधिकारियों की नजर भी फॉरेंसिक टीम के विश्लेषणों पर है। जिससे सटीक घटनाक्रम सामने आ सके।अलग-अलग चारपाइयों पर थे शव- इस मामले में घटनास्थल की स्थिति भी काफी भयावह थी। केवल सत्यवीर का शव फंदे पर लटका हुआ था। जबकि अन्य मृतकों के शव अलग-अलग चारपाइयों पर थे। बड़ी बेटी प्राची एवं छोटे बेटे गिरीश का शव एक चारपाई पर था। जबकि पत्नी रामश्री का शव अलग चारपाई पर था। बेटी आकांक्षा उर्फ अमरवती का शव अलग चारपाई पर मिला।मेधावी थे बच्चे, जिनके लिए पिता ने देखे सपने- सत्यवीर ने अपने तीनों बच्चों के अच्छे भविष्य के लिए तमाम सपने देखे, लेकिन सत्यवीर ने खुद ही अपने बच्चों की जान ले ली। सत्यवीर के तीनों बच्चे मेधावी थे और कक्षा में उनका श्रेष्ठ प्रदर्शन रहता था। एक बेटी आकांक्षा ने तो इसी वर्ष विद्याज्ञान की प्रवेश परीक्षा पास की थी। यह तीनों बच्चे अमांपुर के श्रीवेदराम सिंह आवासीय इंटर कॉलेज में पढ़ते थे। सबसे बड़ी प्राची कक्षा 6 की छात्रा थी, जबकि दूसरी बेटी आकांक्षा उर्फ अमरवती कक्षा 5 की छात्रा थी। जबकि छोटा बेटा गिरीश पहली कक्षा में थाछह महीने से बेटा नहीं जा रहा था स्कूल- स्कूल के प्रधानाचार्य आनंदनंदन ने बताया कि बेटा गिरीश पिछले 6 माह से बीमारी के कारण स्कूल नहीं आ रहा था। उन्होंने बताया कि एक बेटी ने विद्याज्ञान परीक्षा पास की। सत्यवीर अपने बच्चों को पढ़ाना चाहते थे। इसके लिए वह स्कूल की फीस भी समय पर अदा करते थे। उन्होंने बताया कि चार दिन पहले सुबह 10 बजे करीब प्राची स्कूल की ड्रेस में उन्हें घर के बाहर मिली थी तो उससे पूछा कि स्कूल नहीं गई। तो प्राची ने कहा कि वह तैयार हो गई थी, लेकिन पापा ने रोक लिया है। इसके बाद प्रधानाचार्य ने सत्यवीर से पूछा तो सत्यवीर बिना कुछ जवाब दिए चलते चले गए।सत्यवीर की शादी तीनों छोटे भाइयों की शादी के बाद हुई सत्यवीर के जीवन में चुनौतियों ने पीछा नहीं छोड़ा। सत्यवीर अपने भाइयों में सबसे बड़ा था, लेकिन उसकी शादी तीनों छोटे भाइयों की शादी के बाद हुई थी। सत्यवीर की शादी होने के बाद ही पिता और भाइयों के बीच अच्छा तालमेल नहीं रहा।परिवार वाले नहीं चाहते थे सत्यवीर की हो शादी सत्यवीर के साढ़ू नंद किशोर ने बताया कि चार भाइयों के बीच सत्यवीर बड़े थे। तीन अन्य भाइयों में सतीश, संतोष, देशराज उनसे छोटे थे। तीनों छोटे भाइयों की शादी सत्यवीर की शादी से पहले हो गई थी। उन्होंने बताया कि बाद में सत्यवीर की शादी रामश्री से हुई। यह शादी करीब 15 वर्ष पूर्व हुई थी। इस शादी के बाद से ही सत्यवीर के परिवार में अनबन की स्थिति बन गई। परिवार के लोग नहीं चाहते थे कि सत्यवीर शादी करे। क्योंकि शादी के बाद परिवार की संपत्ति पर उसका व उसके वारिसों का हक बन जाएगा। यह परिस्थितियां पारिवारिक विवाद की वजह बनी हुई थी। भाइयों में संपत्ति का बंटवारा हुआ। कुल 12 बीघा जमीन सत्यवीर के पिता नेम सिंह की थी। आपसी बंटवारे में 3-3 बीघा जमीन सभी भाइयों को दे दी गई। जिस पर सभी अपनी खेती कर रहे थे।पिता ने शुरू कर दी थी सत्यवीर की जमीन पर खेती सत्यवीर के हिस्से के खेत पर पिता नेम सिंह ने खेती करना शुरू कर दिया था। पिछले वर्ष अक्तूबर माह में पिता ने सत्यवीर के खेत में फसल बो दी। इस पर सत्यवीर ने पिता से शिकायत भी की, लेकिन पिता ने अपने खर्चे पानी का वास्ता दिया। इस बात से सत्यवीर आहत था। सत्यवीर के चाचा ससुर हरपाल ने बताया कि ऐसी परिस्थितियां सत्यवीर को तनाव दे रही थीं। उसके पिता और भाई सत्यवीर को सहयोग नहीं करते थे। जबकि अन्य भाइयों की मदद करते थे।दंपती के शव एक चिता पर जलाए गए, तीनों बच्चे तालाब किनारे गड्ढे में दफनाए गए- दंपती के शव को एक चिता पर जलाया गया जबकि तीन बच्चों के शव तालाब किनारे एक गड्ढे में दफनाए गए। एक परिवार के पांच शवों का एक साथ अंतिम संस्कार देख हर आंख से आंसू गिरने लगे।गांव में रहा पुलिसबल तैनात- पोस्टमार्टम के बाद शव गांव ले जाए गए उसके साथ ही पुलिस की टीम भी गांव पहुंच गई। किसी तरह की कानून व्यवस्था से जुड़ी समस्या खड़ी न हो इसको लेकर पुलिस सतर्क थी। पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देश पर अंतिम संस्कार के दौरान अमांपुर थाने की पुलिस मौजूद रही।

संक्षिप्त समाचार

बिजनौर में दर्दनाक हादसा, कार ने मोपेड और ई-रिक्शा में टक्कर मारी, पिता-पुत्री समेत तीन की मौत

नजीबाबाद में भारत गैस एजेंसी के पास के पास कार की टक्कर लगने से मोपेड सवार राजू और उनकी बेटी अंशू की मौत हो गई। राजकुमार ने भी दम तोड़ दिया, जबकि एक घायल हुआ है।

नजीबाबाद रायपुर सादात मार्ग पर भारत गैस एजेंसी के पास रविवार शाम तेज रफ्तार कार ने ई-रिक्शा और मोपेड में टक्कर मार दी। हादसे में मोपेड सवार बढ़ापुर निवासी राजू (50) और राजू की बेटी अंशू (25) तथा राजकुमार (32) निवासी गांव भदौला की मौत हो गई। इस हादसे में ई-रिक्शा चालक गंभीर रूप से घायल हुआ है।सोमवार शाम कोटकादर गांव निवासी ई रिक्शा चालक धर्म सिंह (24) नजीबाबाद से अपने गांव लौट रहा था। रास्ते में ई-रिक्शा में खराबी आई तो उसमें सवार राजकुमार (32) निवासी गांव भदौला धक्का लगाने लगा। ई-रिक्शा भारत गैस एजेंसी के पास पहुंची तो सामने से आ रही कार ने टक्कर मार दी। साथ ही पीछे से आ रही मोपेड भी कार की चपेट में आ गई। हादसे में ई-रिक्शा में धक्का लगा रहे राजकुमार और मोपेड सवार राजू और उसकी बेटी अंशू की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ई रिक्शा चालक धर्म सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र समीपुर ले जाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया है। उधर हादसे की खबर मिलते ही सीओ नजीबाबाद नितेश प्रताप सिंह अस्पताल में पहुंचे और जानकारी ली।

पत्नी की हत्या कर लाश के साथ 24 घंटे रहा पति- खून से सनी थी चांदनी की शव, सीने से लिपटी थी डेढ़ साल की बेटी

16 फरवरी को नवनीत विहार में चांदनी का शव पूनम नाम की महिला के मकान में जमीन पर पड़ा मिला था। शव खून में सना था और सीने से डेढ़ वर्षीय बेटी लिपटी थी। मकान मालिकिन ने शव देखकर देर रात पुलिस को बुलाया था। यूपी के गाजियाबाद स्थित खोड़ा थानाक्षेत्र के नवनीत विहार में किराये पर रहने वाली चांदनी की मौत के पांच दिन बाद रविवार को पुलिस ने उसके पति विपिन केवट को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पुलिस पूछताछ में 15 फरवरी को चांदनी की मौत होने और 16 फरवरी तक शव के साथ रहने की बात स्वीकार की है। आरोपी को कोर्ट के आदेश पर जेल भेज दिया गया है। वहीं बाकी आरोपियों की तलाश की जा रही है। मामले में महिला के पति समेत तीन ननद और छह बहनोई नामजद हैं।खून से सनी थी चांदनी की लाश, सीने ले लिपटी थी डेस साल की बेटी 16 फरवरी को नवनीत विहार में चांदनी का शव पूनम नाम की महिला के मकान में जमीन पर पड़ा मिला था। शव खून में सना था और सीने से डेढ़ वर्षीय बेटी लिपटी थी। मकान मालिकिन ने शव देखकर देर रात पुलिस को बुलाया था। हालांकि तब तक चांदनी का पति व अन्य रिश्तेदार भाग चुके थे। पिता ने लगाया दहेज का आरोप महिला के पिता बिहार के नालंदा स्थित बकरा मकनपुर बिंद निवासी सुनील केवट ने दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए 17 फरवरी को प्राथमिकी दर्ज कराई थी। रविवार को पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया। 24 घंटे रहा पति की लाश के साथ पुलिस की पूछताछ में उसने बताया कि चांदनी ने 15 फरवरी को फांसी लगाई थी। उसने फंदे से उतारने का प्रयास किया तब वह जमीन पर गिर पड़ी और उसके सिर में गंभीर चोट लग गई।

शुभम के कत्ल में किसका हाथ?: प्रेमिका की मां ने दी धमकी, 24 घंटे बाद मिली लाश; क्रिकेट का किस्सा भी आया सामने

पिता राजेश शुक्ला ने आरोप लगाया कि एक दिन पहले ही गांव की महिला उनके घर आई थी। बोल रही थी कि अपने बेटे को मना कर लो, नहीं तो मरवा दूंगी। पिता के मुताबिक उन्होंने और उनके बेटे ने कहा था कि अपनी बेटी को भी मना करो की वह फोन न करें। इसे लेकर दोनों में वाद-विवाद भी हुआ था। यूपी के जौनपुर स्थित बरसठी थाना क्षेत्र के जमुनीपुर गांव में रविवार को प्राथमिक विद्यालय के पीछे सड़क किनारे शुभम शुक्ला (22) की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। चाकू नाभि और सीने के पास घोंपा गया है। मृतक की मां ने रोते हुए जिला अस्पताल में कहा कि बेटा दूसरी बिरादरी की लड़की से बात करता था। उन्हीं लोगों ने वारदात को अंजाम दिया होगा। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है। मामले में एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही हैखून से लथपथ झाड़ियों में पड़ा था शुभम जमुनीपुर निवासी शुभम शुक्ला (22) रविवार करीब 12 बजे घर से कुछ दूरी पर स्थित प्राथमिक विद्यालय के पीछे सड़क किनारे घायल अवस्था में पड़ा मिला। गांव के ही एक व्यक्ति की नजर जब उस पर पड़ी तो तत्काल इसकी सूचना परिजनों को दी। सूचना मिलते ही पिता राजेश शुक्ला और छोटे भाई अंकित शुक्ला मौके पर पहुंचे। शुभम खून से लथपथ झाड़ियों के बीच पड़ा था। परिजन घटना की जानकारी पुलिस को सूचना दिए। मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की सहायता से शुभम को नजदीकी अस्पताल ले गए और इसके बाद पुलिस जिला अस्पताल लेकर आई। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।मां बोली- लड़की से बात करता था, इसलिए हुई हत्या उधर, घटना को लेकर गांव में तनाव की स्थिति देखने हुए मड़ियाहूं सीओ परमानंद कुशवाहा, सदर सीओ देवेश सिंह के अलावा बरसठी, मड़ियाहूं, रामपुर, मीरगंज, नेवढ़िया थाने की पुलिस और एसओजी भी पहुंच गए। मौके पर जांच करने फोरेंसिक टीम भी बुलाई गई। वहीं, अस्पताल में रोते हुए मां क्षमा शुक्ला ने कहा कि बेटा लड़की से बात करता था। इसी को लेकर हत्या कर दी गई।एक दिन पहले ही घर पर आई थी लड़की की मां, दी थी धमकी- पिता राजेश शुक्ला ने आरोप लगाया कि एक दिन पहले ही गांव की महिला उनके घर आई थी। बोल रही थी कि अपने बेटे को मना कर लो, नहीं तो मरवा दूंगी। पिता के मुताबिक उन्होंने और उनके बेटे ने कहा था कि अपनी बेटी को भी मना करो की वह फोन न करें। इसे लेकर दोनों में वाद-विवाद भी हुआ था। शक है कि महिला ने ही वारदात को अंजाम दिलाया है।क्रिकेट खेलने को लेकर भी हुआ था विवाद- शुभम के भाई हरिओम, शिवम, शुभम और अंकित का रो-रोकर बुरा हाल है। वह ट्रैक्टर चलाकर पूरे परिवार के भरण-पोषण में अहम भूमिका निभाते था। छोटे भाई अंकित शुक्ला का कहना है कि की किसी ने उसे जानकारी दी क्रिकेट खेल में भी कुछ दिन पहले और एक दिन पहले भी विवाद हुआ था। पुलिस की जांच में यह भी बात सामने आ रही है वाद विवाद करने वाला युवक लड़की से परिचित है। फिलहाल, पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। एक युवक को हिरासत में लेकर पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

बलात्कार के आरोपी नैनाराम बंजारा को सूचना के मात्र 05 घण्टे में जिला राजगढ से गिरफ्तार भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी॰ पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री अमन सिंह राठौड़ द्वारा महिलाओं पर घटित अपराधों में तत्काल कार्यवाही कर आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने के निर्देश दिये गये हैं।

दिनांक 21.02.26 को फरियादिया ने थाना बदरवास में रिपोर्ट किया कि दिनांक 06.04.2024 के शाम करीबन 08.00 बजे की बात है मेरे घर वाले काम पर गये थे, मैं घर पर अकेली थी तब मेरे घर नैनाराम बंजारा निवासी ग्राम चौकी थाना कालीपीठ जिला राजगढ का आया शादी का झासा देकर राजगढ ले गया व कमरे में बंद रखा व बलात्कार करता रहा तथा आरोपी के घर ले गया करीब डेढ साल तक बलात्कार करता रहा मौका पाकर फरियादिया द्वारा आरोपी के चंगुल से भागकर अपने घर पहुंची रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 66/2026 धारा 69,127 (4), 351 (2) बीएनएस की कामयी की गयी । थाना प्रभारी बदरवास निरीक्षक रोहित दुबे द्वारा प्रकरण को गम्भीरता से लेते हुये पुलिस अधीक्षक शिवपुरी के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संजीव मुले एवं अनुविभागीय अधिकारी कोलारस श्री संजय मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बदरवास निरी. रोहित दुबे द्वारा दिनांक 21.02.26 को तत्काल थाना बदरवास की पुलिस टीम गठित कर आरोपी की तलाश हेतु जिला राजगढ भेजी व आरोपी नैनाकराम उर्फ नैनाराम बंजारा पुत्र भरत सिंह उम्र 25 साल निवासी ग्राम चौकी थाना कालीपीठ जिला राजगढ. म.प्र को जिला राजगढ से मात्र 05 घण्टे में गिरफ्तार किया गया आरोपी को आज दिनांक 22.02.26 को माननीय न्यायालय पेश किया गया आरोपी का जेल वारंट प्राप्त होने से आरोपी को जेल दाखिल किया गया। उपरोक्त प्रकरण में अनुविभागीय अधिकारी कोलारस श्री संजय मिश्रा के निर्देशन में थाना प्रभारी निरी रोहित दुबे, उनि शिखा तिवारी, उनि रंगलाल मेर, सउनि राकेश शिवहरे प्रआर गजेन्द्र सिंह परिहार प्रआर गोविंद आर अनित बुनकर आर सदन भिलाला की मुख्य भूमिका रही।

उन्नत उद्यानिकी तकनीक सीखने उत्तर प्रदेश रवाना हुए तीस कृषक जिपं अध्यक्ष श्रीमती गीता कैलाश रघुवंशी ने हरी झंडी दिखाकर बस को रवाना किया

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा/ उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा राज्य पोषित योजना अंतर्गत विदिशा जिले के कृषकों को उन्नत उद्यानिकी तकनीकों से अवगत कराने के उद्देश्य से 5 दिवसीय कृषक प्रशिक्षण सह भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम के तहत जिले के 30 कृषकों का दल 22 से 26 फरवरी तक उत्तर प्रदेश के विभिन्न प्रतिष्ठित अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थानों का भ्रमण कर प्रशिक्षण प्राप्त करेगा। कृषक दल को आज रविवार को

जिला पंचायत परिसर से जिला पंचायत अध्यक्षा श्रीमती गीता कैलाश रघुवंशी, जनपद पंचायत नटेरन की कृषि स्थायी समिति के सभापति गजेन्द्र सिंह राजपूत व अन्य जनप्रतिनिधियों तथा उघानिकीय विभाग के सहायक संचालक एस एल सोलंकी द्वारा बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया है। सहायक संचालक सोलंकी ने बताया कि कृषक दल प्रशिक्षण के दौरान सेंटर ऑफ एक्सीलेंस सिट्रस, झांसी, सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ सबट्रॉपिकल हॉर्टिकल्चर, रहमानखेड़ा लखनऊ, सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिसिनल एंड अरोमैटिक प्लांट्स, लखनऊ, नेशनल हॉर्टिकल्चर बोर्ड में पंजीकृत मलिहाबाद स्थित नर्सरियों तथा आचार्य नरेंद्र देव यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, कुमारगंज अयोध्या का भ्रमण करेंगे। भ्रमण स्थानों पर कृषकों को फल, सब्जी, औषधीय एवं सुगंधित फसलों की उन्नत किस्मों, पौध उत्पादन, आधुनिक प्रबंधन तकनीकों एवं उद्यानिकी आधारित स्वरोजगार के संबंध में व्यवहारिक एवं तकनीकी जानकारी प्रदान की जाएगी। इस प्रशिक्षण सह भ्रमण कार्यक्रम के लिए ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी रामचंद्र वर्मा को दल प्रभारी के रूप में अधिकृत किया गया है, जो कृषकों को प्रशिक्षण के दौरान मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। इस अवसर पर अधिकारियों ने बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद कृषक अपने-अपने क्षेत्रों में आधुनिक तकनीकों को अपनाकर उद्यानिकी फसलों का विस्तार करेंगे, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी तथा जिले में उद्यानिकी क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा। यह कार्यक्रम कृषकों के कौशल विकास एवं कृषि आधारित आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए धरती माता बचाओ अभियान के अंतर्गत नैनो उर्वरक आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन पंजाब नेशनल बैंक के कृषक प्रशिक्षण केंद्र में किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा/ कार्यक्रम में रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से मिट्टी, हवा, पानी एवं मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। सेंट्रल ग्राउंडवाटर बोर्ड के रिपोर्ट के अनुसार विदिशा जिले के भूजल में भी यूरिया के अत्यधिक उपयोग के कारण नाइट्रेट की मात्रा तय सीमा से अधिक है, जिससे कैंसर सहित कई घातक बीमारियों का खतरा है। जिला विपणन अधिकारी श्रीमती राखी रघुवंशी ने अपने संबोधन में बताया कि किसानों को रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग कम करके इसके अन्य विकल्प जैसे कि नैनो उर्वरक, जैव उर्वरक एवं जैविक खाद के प्रयोग की

दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि नैनो उर्वरकों के सही तरीके से उपयोग के लिए इफको को विपणन संघ के सभी गोदाम एवं जिले के सभी प्रमुख समितियों के पास फसल प्रदर्शन करना चाहिए, जिससे किसान स्वयं नैनो उर्वरकों के लाभ का अवलोकन कर सकें। उन्होंने उपस्थित प्रतिभागियों से आग्रह किया कि किसानों के बीच नैनो उर्वरक से संबंधित भ्रांतियों को दूर कर सही तकनीक पहुंचाने में आप लोग मदद करें। इफको विदिशा के क्षेत्रीय प्रबंधक कुमार मनेन्द्र ने बताया कि किसानों को 5 मिली नैनो डीएपी प्रति किलोग्राम बीज की दर से एवं 10 मिली ह्क्क्य कंसोर्टियां प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें एवं जब फसल 30 से 35 दिन की हो जाए तो नैनो डीएपी 4 मिली एवं नैनो यूरिया प्लस 4 मिली प्रति लीटर पानी के हिसाब से एक साथ मिलाकर एक एकड़ में 500 मिली नैनो डीएपी एवं 500 मिली नैनो यूरिया प्लस का छिड़काव करें। इसके बाद द्वितीय छिड़काव 15 से 20 दिन बाद नैनो यूरिया प्लस का 500 मिली प्रति एकड़ की दर से करें। इस प्रकार से किसान 50त्न दानेदार डीएपी एवं यूरिया की बचत कर सकते है, जिससे किसान की लागत घटेगी एवं रासायनिक उर्वरकों के कम प्रयोग करने से मिट्टी की सेहत में सुधार होगा तथा जल एवं वायु प्रदूषण में भी कमी आएगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पंजाब नेशनल बैंक के कृषक प्रशिक्षण केंद्र के निदेशक श्री अजय सिंह परिहार ने कहा कि नैनो उर्वरक का उपयोग वर्तमान समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मैंने स्वयं इस प्रशिक्षण केंद्र के फार्म पर पिछले दो वर्षों से लगातार नैनो उर्वरक का प्रयोग किया है एवं मैं निश्चित तौर पर कर सकता हूं कि नैनो उर्वरक ही भविष्य का खाद है। उन्होंने प्रतिभागियों को यह भी बताया कि इस प्रशिक्षण केंद्र में किसानों, महिलाओं एवं युवा ग्रामीण बेरोजगारों के लिए लगातार प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है और यह पूर्णता नि॰शुल्क है, अत॰ आप लोग इसके बारे में भी जरूरतमंदों को जानकारी प्रदान करें।

संक्षिप्त समाचार

IFMIS एवं राज्य केन्द्रीयकृत पेंशन प्रोसेसिंग प्रणाली पर 24 फरवरी को ई-दक्ष केंद्र में प्रशिक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी, वर्तमान में शासकीय देयकों के कोषालय में प्रस्तुतिकरण एवं पारितिकरण की समस्त कार्यवाही ढ्ढस्नरूढ्ढस् प्रणाली के माध्यम से संपादित की जा रही है। साथ ही संचालक पेंशन द्वारा राज्य केन्द्रीयकृत पेंशन प्रोसेसिंग सेल, भोपाल के गठन के उपरांत पेंशन प्राधिकार आदेश (PPO) जारी करने की नवीन प्रक्रिया भी प्रस्तावित की गई है। नियमों एवं पूर्व में जारी निर्देशों का समुचित पालन सुनिश्चित करने तथा अद्यतन प्रावधानों से अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अवगत कराने के उद्देश्य से कोषालय एवं पेंशन कार्यालय द्वारा संयुक्त रूप से 24 फरवरी 2026 को ई-दक्ष केंद्र, शिवपुरी में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण में शासकीय कार्यालयों के आहरण एवं संवितरण अधिकारियों तथा संबंधित कर्मचारियों को ढ्ढस्नरूढ्ढस् के प्रभावी संचालन एवं त्रुटिरहित देयक प्रस्तुतिकरण की प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। विशेष रूप से स्ह्व स्क्क्र॥ कार्यक्रम के अंतर्गत देयकों से संबंधित एडवाइजरी, ढ्ढस्नरूढ्ढस् में अंकित ह्ड्डद्दद्गष्ह्लद्मशठ्ठ स्र्द्धह्यह्लद्गद्द के प्रावधान, तथा देयको के साथ प्रस्तुत होने वाले आवश्यक स्वीकृति / दस्तावेज आदि तथा राज्य केन्द्रीयकृत पेंशन प्रोसेसिंग मेल के माध्यम से पेंशन प्राधिकार आदेश जारी किये जाने के नवीन प्रक्रिया के दिशा निर्देश शामिल है।

सेंट्रल जेल नैनी में निरुद्ध कैदी की इलाज के दौरान मौत, हत्या के मामले तीन साल पहले मिली थी सजा

फतेहपुर जिले के खागा में तीन साल पहले हुई हत्या के मामले में निरूद्ध कैदी एजाज अहमद (64) पुत्र पीर मोहम्मद की एसआरएन अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। उसे दो दिन पहले लकवा की शिकायत होने पर एसआरएन में भर्ती कराया गया था।फतेहपुर जिले के खागा में तीन साल पहले हुई हत्या के मामले में निरूद्ध कैदी एजाज अहमद (64) पुत्र पीर मोहम्मद की एसआरएन अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। उसे दो दिन पहले लकवा की शिकायत होने पर एसआरएन में भर्ती कराया गया था। नैनी पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराते हुए परिजनों को सौंप दिया है।फतेहपुर जिले के खागा थानान्तर्गत पौली निवासी एजाज अहमद एजाज अहमद (64) पुत्र पीर मोहम्मद तीन साल पहले पड़ोस में हुई एक युवक की हत्या के मामले में फतेहपुर जिला कारागार में निरूद्ध था। करीब एक साल पहले उसे फतेहपुर जिला जेल से स्थानांतरित कर सेंट्रल जेल नैनी में शिफ्ट किया गया था। मृतक कैदी एजाज अहमद के बेटे शहनवाज एहमद ने बताया कि दो दिन पहले उसके पिता को लकवा की शिकायत होने पर एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां रविवार की भोर में उनकी मौत हो गई। कैदी की मौत होने पर नैनी पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराते हुए परिजनों को सौंप दिया है।

रैपिड ट्रेन: दिल्ली अभी दूर है...मोदी जी आपने तो यह कहावत ही बदल दी, सुनकर हंस पड़े प्रधानमंत्री, फिर ये बोले

रैपिड रेल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छात्रों, उद्यमियों, कर्मचारियों समेत कई समूहों से सफर करते हुए बात की। पीएम ने उनसे पूछा कि रैपिड के चलने से आपको क्या लाभ होगा। सबने अपने-अपने नजरिये से लाभ बताए। रैपिड और मेट्रो को हरी झंडी देकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शताब्दीनगर से साउथ स्टेशन तक 8 मिनट का सफर किया। इसमें स्कूली बच्चे, एमबीबीएस छात्र, उद्यमी, विशेष बच्चे और एनसीआरटीसी में निर्माण कार्य करने वाले कर्मचारियों के साथ सफर करते हुए मोदी ने उनका अनुभव जाना। प्रधानमंत्री व राष्ट्रपति से सम्मानित 12 साल की बाल पर्यावरणविद् बच्ची ईहा दीक्षित ने प्रधानमंत्री से कहा कि आपने ने तो सूफी संत हजरत निजामुद्दीन औलिया की उस कहावत को ही बदल दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि दिल्ली अभी दूर है। यह सुनते ही मोदी हंसने लगे। ईहा सेंट फ्रांसिस वर्ल्ड स्कूल में आठवीं की छात्रा है।विशेष बच्चे ने प्रधानमंत्री को अपनी खुद से बनाई हुईं तस्वीरें दिखाईं। सरदार वल्लभभाई पटेल मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस छात्र से प्रधानमंत्री ने पूछा कि रैपिड से आपको क्या लाभ मिलेगा। इस पर एक छात्र ने बताया कि वह गाजियाबाद का निवासी है, रोजाना टैक्सी से 800 रुपये किराया लगता है और आने-जाने में ढाई से तीन घंटे का समय लगता है। अब रैपिड में पैसा कम लगेगा और समय की बचत होगी। तीसरे समूह में एनसीआरटीसी में निर्माण करने वाले कर्मचारी थे। मोदी ने उनसे पूछा है कि आपका क्या अनुभव रहा। इस पर उन्होंने जवाब दिया कि यातायात सुलभ होने के साथ अब रोजगार के भी अवसर मिलेंगे। चौथा समूह उद्यमियों का था। मोदी ने पूछा कि रैपिड से उद्यमियों को क्या लाभ मिलेगा। इस पर उद्यमियों ने बताया कि उनकी कंपनी में पहले 15 कर्मचारी काम करते थे व अब हाईवे बनने के बाद 150 कर्मचारी काम करते हैं। रैपिड का संचालन होने से कंपनी में 1500 कर्मचारी काम करेंगे। रैपिड के संचालन होने पर दूरदराज के व्यापारी मेरठ में आने लगेंगे। विकास को पंख लग जाएंगे। पांचवें समूह में छात्र-छात्राएं थे। मोदी ने उनसे पूछा कि छात्र-छात्राओं को रैपिड का क्या फायदा होगा। 12 साल की छात्रा ईहा दीक्षित को प्रधानमंत्री ने पहचान लिया। बोले कि ईहा बेटा आप तो बड़े हो गए। रैपिड के बारे में कुछ बताओ। ईहा ने कहा है कि सूफी संत हजरत निजामुद्दीन औलिया की कहावत थी कि दिल्ली अभी दूर है, आपने तो उनकी कहावत को ही बदल दिया। ईहा ने बताया कि वह लगातार पौधे लगा रही हैं। बता दें कि सूफी संत हजरत निजामुद्दीन औलिया ने दिल्ली के सुल्तान ग्यासुद्दीन तुगलक के संदर्भ में यह बात कही थी, जो कहावत बन गई। यह कहावत 14वीं सदी में तब लोकप्रिय हुई जब सुल्तान बंगाल से दिल्ली लौटते समय औलिया को धमका रहा था, लेकिन वह दिल्ली कभी पहुंच नहीं सका और रास्ते में ही मारा गया। यह मूल कवाहत फारसी में है हुनूज दिल्ली दूर अस्त (दिल्ली अभी दूर है)। इसका मतलब होता है कि मंजिल अभी दूर है या काम अभी बाकी है।

लखनऊ-अयोध्या समेत यूपी के 12 शहरों से गुजरेगी बुलेट ट्रेन, 250-350 किमी प्रति घंटे की स्पीड से

बोर्ड अधिकारियों का यहां तक कहना है कि अगर सब कुछ सही रहा तो अगले दो से तीन महीने में बुलेट ट्रेन के लिए कार्य जमीनी स्तर पर दिखाई देना भी शुरू होगा।सात में सबसे पहले दिल्ली-वाराणसी के बीच हाई स्पीड रेल कॉरिडोर तैयार होगा। रेलवे बोर्ड ने नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) को पत्र लिख पुराने मुताबिक दिल्ली से वाराणसी के बीच उत्तर प्रदेश के 12 शहरों से होकर बुलेट ट्रेन गुजरेगी।बोर्ड ट्रेन दिल्ली (सराय काले खां) से नोएडा, जेवर (इंटरनेशनल एयरपोर्ट), मथुरा, आगरा, वाराणसी पहुंचेगी।कुछ दिन पहले केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश में सात हाई स्पीड ने बैठक ली और उसमें फैसला लिया कि सबसे पहले इसी दिल्ली से वाराणसी मार्ग पर बुलेट तीन महीने में बुलेट ट्रेन के लिए कार्य जमीनी स्तर पर दिखाई देना भी शुरू होगा। बीते दिनों जिससे स्थान का चयन जल्द से जल्द पूरा किया जा सके। दिल्ली-वाराणसी के अलावा

डीपीआर को अपडेट करने का निर्देश दिया है। अभी साल 2021 में तैयार डीपीआर बोर्ड के पास है जिसके के सूत्रों का कहना है कि नई डीपीआर आने से स्टेशनों में बदलाव की गुंजाइश कम है। इसका मतलब है कि यह फिरोजाबाद, इटावा, कन्नौज, लखनऊ, अयोध्या (कनेक्टिंग लिंक), रायबरेली, प्रयागराज और भदोही होते हुए रेल परियोजनाओं की घोषणा की जिसमें दिल्ली-वाराणसी मार्ग भी शामिल है। बजट के कुछ दिन बाद रेलवे बोर्ड ट्रेन की यात्रा शुरू होगी। बोर्ड अधिकारियों का यहां तक कहना है कि अगर सब कुछ सही रहा तो अगले दो से एनएचएसआरसीएल की एक टीम ने प्रोजेक्ट के क्षेत्रीय कार्यालय के गठन के लिए उत्तर प्रदेश का दौरा किया वाराणसी-सिलीगुड़ी, मुंबई-पुणे, पुणे-हैदराबाद, हैदराबाद-चेन्नई, हैदराबाद-बंगलूरू और बंगलूरू-चेन्नई कॉरिडोर भी परियोजनाओं में शामिल हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट भाषण में इन कॉरिडोर के निर्माण पर 16 लाख करोड़ रुपए निवेश का अनुमान जताते हुए ऐसे हाईस्पीड रेलवे ट्रैक पर हाई स्पीड ट्रेनें 250 से 350 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ेंने की जानकारी दी। डीपीआर का काम पूरा- बीते सात फरवरी को रेलवे बोर्ड ने एक बैठक के बाद एनएचएसआरसीएल को निर्देश जारी किए। इसमें कॉरिडोर के कार्यों में क्रियान्वयन में तेजी लाई जाने के साथ साथ दिल्ली से वाराणसी के बीच बुलेट ट्रेन के लिए डीपीआर अपडेट करने के लिए कहा है। साथ ही वाराणसी से सिलीगुड़ी कॉरिडोर के लिए सर्वेक्षण अभी होना है। बैठक में फैसला लिया कि जिन कॉरिडोरों का डीपीआर पहले से बना है, उनकी लागत, संशोधित लागत और परियोजना पूर्णता लागत को अपडेट किया जाएगा। इसके अलावा भूमि, डिजाइन, टेंडर से जुड़ी प्री-कंस्ट्रक्शन गतिविधियों की सूची बनाकर कॉन्ट्रैक्ट डॉक्यूमेंट्स भी तैयार करने का आदेश दिया। एक देश-एक मानक बनेगा- बुलेट ट्रेन के लिए देश में एक समान हाई-स्पीड रेल मानक बनाए जाएगें। इन कॉमन तकनीकी मानक तय करने की जिम्मेदारी भी एनएचएसआरसीएल को दी है। प्रत्येक परियोजना के लिए फील्ड में कोर टीम बनेगी और उनके मुख्यालय तय किए जाएंगे। तकनीकी रूप से प्रशिक्षित स्टाफ तैयार करने और तैनाती की योजना बनेगी। एनएचएसआरसीएल से हर हफ्ते रेलवे बोर्ड को प्रगति रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए ताकि रेलवे मंत्रालय से समय पर मदद मिल सके।

What changes if the wife earns more? A survey reveals men's new thinking.

This is revealed in a new report by a matrimonial site, "The Big Shift: How India is Rewriting the Rules of Partner Search and Marriage." The report is based on trends from 2016 to 2025 and a survey of over 30,000 users in 2026. Let's explore the major changes taking place in Indian society regarding marriage. The average age of marriage has increased from 27 to 29. Young people are now choosing their own life partners - caste barriers have weakened, emotional connection is important. Do you also think that people are shying away from marriage these days? If so, you'll be surprised to know that the reality is quite different. The tradition of marriage in India is not disappearing, but rather, it is taking on a new and modern form. A new report by a leading matrimonial site, "The Big Shift," confirms this. Data from 2016 to 2025 and a survey of over 30,000 people in 2026 reveal that the way of choosing a life partner in Indian society has completely changed. Let's explore this shift through these interesting statistics. Increasing the age of marriage - The biggest change in the last decade has been the age of marriage. While the average age of users was 27 years, it has now risen to 29 years. Today, 50% of people start looking for a life partner at the age of 29. This directly implies that people are prioritizing career advancement, financial stability, and mental preparation. Choosing their own life partner - Young people are now taking charge of their own marriages, instead of relying on their parents. In 2016, 67% of profiles were managed by individuals themselves, but today this figure has increased to 77%. Family-managed profiles have decreased to only 23%. An interesting thing is that in smaller cities, more siblings are getting involved in this process than parents, who act as a bridge between tradition and technology. Caste barriers have weakened. There has been a huge change in people's thinking about caste. In 2016, 91% of people used caste as a strict filter, but by 2025, this number has decreased to 54%. In metro cities, only 49% of people are strict about caste. Now people are giving more importance to mutual compatibility than caste. Second marriage and changing thinking: Society's attitude towards divorce or second marriage has also changed. According to the report, the number of people looking for a partner for second marriage has increased by 43% in the last ten years. This figure was 11% in 2016, which has increased to 16% in 2025. Notably, 15% of single people are now also showing interest in divorced profiles, which indicates that social stigma is gradually decreasing. New Opinions on Earnings and Gender Roles: Perceptions about money and responsibilities after marriage have also changed. Now, only 8% of people believe that only one person should earn in a household. Approximately 87% of men are comfortable marrying a woman who earns more than them. Meanwhile, 15% of women are willing to marry men who earn less than them. Emotional Match Is Most Important - In today's times, finding the "right person" is more important than money or age. 90% of users say that emotional connection is most important to them. This sentiment is similar among both men and women. Family Support Is Still Important - Despite so much freedom and change, the role of family in Indian marriages has not diminished. Approximately 69% of users believe that parental involvement makes the process easier, with this figure rising to 75% for women. It's a hybrid model where young people make decisions, but they also value family support. Statistics show that Indians have strong intentions about marriage. 78% of users plan to get married in the next six months, and nearly half within the next three. Overall, the tradition of marriage in India is not weakening; rather, it is emerging in a new form, in line with modern thinking and family values.

Make tasty and healthy chicken veggie wraps for kids, a perfect combination of taste and nutrition.

If kids are picky eaters, you can make a tasty chicken veggie wrap for them. It's easy to make and quite healthy. Often, parents face the biggest challenge of getting their kids to eat vegetables and protein. Children often resist simple foods, but when the same food is transformed into a wrap or roll, they will eat it with great relish. Chicken veggie wraps are one such dish, which are not only easy to make but also combine the protein of chicken and the vitamins of vegetables. Let us know the recipe of making special, less spicy and very tasty chicken veggie wrap for children. Ingredients for preparing chicken- Chicken- 250 grams boneless chicken (cut into small cubes or strips) Marination- 2 tablespoons curd, half teaspoon ginger-garlic paste, a pinch of turmeric, half teaspoon coriander powder and salt as per taste Oil- 1 tablespoon Vegetables and filling- Vegetables- finely chopped capsicum, grated carrot, sweet corn and finely chopped cabbage Sauce- 2 tablespoons mayonnaise and 1 tablespoon tomato ketchup Cheese- grated mozzarella cheese For wrap- Tortilla or roti- You can also use freshly made wheat roti, which is more healthy Method of preparation- First of all, marinate the chicken pieces with curd, ginger-garlic paste and spices and keep it for 15-20 minutes. Heat some oil in a pan and cook the chicken over medium heat until tender and lightly golden. Once cooked, transfer the chicken to a bowl. Add the remaining vegetables to the same pan and sauté for just 1-2 minutes. For children, avoid overcooking the vegetables; keep a slight crunch. Add a little salt and pepper. Then, in a small bowl, prepare a creamy sauce by mixing mayonnaise and tomato ketchup. This sauce will keep the wrap juicy and children will love its taste. Now, take a roti and lightly heat it on a pan. First, apply the prepared mayonnaise-ketchup sauce to the center of the roti. Place the cooked chicken pieces and sautéed vegetables on top, and sprinkle generously with cheese. Now, fold the roti on both sides to form a tight roll or wrap. Then, apply a little butter or ghee to the pan and fry the wrap until it becomes lightly golden and crisp on both sides. This will melt the cheese and double the taste of the wrap.

Prepare this Chinese dish in 10 minutes using leftover rice from last night, and you'll get the same taste as the market-style Schezwan rice.

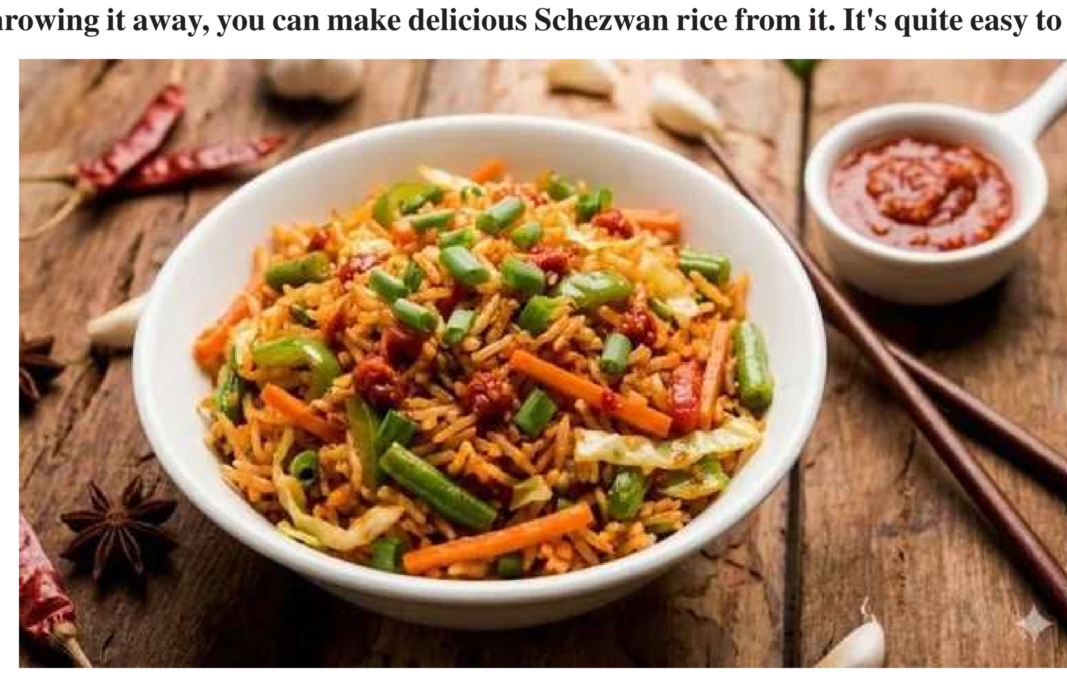

If you have leftover rice from last night, instead of throwing it away, you can make delicious Schezwan rice from it. It's quite easy to make and can be prepared in minutes. It's impossible to talk about Chinese dishes without mentioning Schezwan rice. With its pungent aroma, spicy flavor, and rich vegetable content, it's a universal favorite. We often think that the restaurant-like taste can't be achieved at home, but with the right technique and the right sauce, you can prepare it in minutes. Let's learn the step-by-step recipe for making the perfect Schezwan rice at home. Ingredients Rice - 2 cups of cooked, chilled rice Vegetables - finely chopped carrots, beans, bell peppers, and cabbage (1.5 cups) Ginger-Garlic - 1 tablespoon of finely chopped garlic and half a teaspoon of finely chopped ginger Sauce - 2-3 tablespoons of Schezwan sauce, 1 teaspoon of soy sauce, and 1 teaspoon of vinegar 2-3 finely chopped green chilies Spring onions Salt to taste Half a teaspoon of black pepper powder 2 tablespoons of oil Method Schezwan rice always requires fluffy rice. If you're making fresh rice, let it cool completely. The best results are obtained by using leftover rice from the previous day or cold rice that's a few hours old. This prevents the rice from breaking while tossing. Heat oil in a large wok or pan. Chinese cooking is always done on high heat. Once the oil is hot, add the chopped garlic, ginger, and green chilies. Fry for a few seconds to release the raw aroma, but be careful not to burn the garlic. Now add all the chopped vegetables. Stir-fry them over high heat for 2-3 minutes. We don't want to completely simmer the vegetables, but rather maintain their crunch. Once the vegetables are sautéed, add the Schezwan sauce, soy sauce, and black pepper powder. If you prefer it spicier, you can add a little more Schezwan sauce. Mix the sauce well with the vegetables. Now add the cooked rice to the pan. Add a little salt. Keep in mind that the sauce also contains salt. Gently combine the rice with the vegetables and sauce. Toss well over high heat for 2-3 minutes, so that every grain is coated in the sauce. Add vinegar and garnish with finely chopped green onions. Your hot and spicy Schezwan rice is ready.

Did the producer of the series "Tehran" commit suicide? Brother says she was admitted to the hospital after taking medication.

Israeli producer Dana Eden died suddenly while filming in Athens. She was known for her work on Apple TV's "Tehran." She was filming season 4 in Athens. Israeli producer Dana Eden died suddenly while filming "Tehran 4" in Athens - found dead in hotel room. Israeli producer Dana Eden, known for her work on the popular Apple TV series "Tehran," died suddenly while filming season 4 in Greece. Her brother found her dead in an Athens hotel room on Sunday. What is the cause of Dana Eden's death? The exact cause of Eden's death is not yet known. Israeli media reports that Greek police are investigating a possible connection to Iran. It is reported that authorities are currently treating the case as a suicide based on the evidence and testimony available. Local police have ordered an autopsy. Producer was hospitalized - A police spokesperson dismissed any foul play, telling media outlets that the producer's brother had reported that she was taking medication for a condition that had previously required hospitalization. Shooting in Greece - In a statement reported by Variety, the broadcaster said it was deeply saddened by the loss of its friend and longtime production partner at the Israel Broadcasting Corporation. The broadcaster also confirmed that the fourth season of "Tehran" is currently being shot in Greece, and Eden personally traveled to oversee the production. Eden was known for her work on all episodes of "Tehran," the popular series based on an Israeli Mossad agent of Iranian Jewish descent. The show stars Niv Sultan, Glenn Close, and Hugh Laurie. Her other works include Girl, Woman, The Prosecution, and Magpie. She had been in Greece since February 4th, working on the latest season of the spy thriller. Tehran was described as propaganda by the Iranian government. Tehran tells the story of an Iranian-born operative raised in Israel who is recruited to infiltrate and sabotage the country's growing nuclear program. The series, in which she played the lead role in the second season, depicted Israel's renowned intelligence service so realistically that even the FBI director supported it. The Iranian government has repeatedly condemned the show, calling it Zionist propaganda. Dana Eden was part of the Tehran production team that won the International Emmy Award for Best Drama Series (2021). According to reports, she played a key behind-the-scenes role in the series' international success and actively participated in filming until her death.

Taapsee Pannu slaps the truth, Anubhav Sinha's film forces one to think

The film Assi (Assi) is set to hit theaters this week. The film will hit theaters on February 20th, but before that, if you're planning to see it, be sure to read our review. Taapsee Pannu and Kani Kusruti's powerful characters are a winning light. Anubhav Sinha's direction wins hearts - 'Assi' raises serious questions about patriarchy and corruption. Film Review: Assi Lead Cast: Taapsee Pannu, Mohammed Zeeshan Ayyub, Kani Kusruti, Kumud Mishra, Revathi Director: Anubhav Sinha Duration: 133 minutes Starring: Three The title of the film, Assi (Assi), alludes to the estimated number of rapes that occur every day in the country. Anubhav Sinha, who has delivered powerful films like "Mulk" and "Article 15," this time weaves the plight of a rape victim and the social and administrative aspects associated with it into the story. The film begins with a chilling scene in which a woman is abandoned on the railway tracks after being raped. From there, the story delves into her past. Parima (Kani Kusruti) lives a happy life with her husband Vinay (Mohammad Zeeshan Ayyub) and son Dhruv (Advik Jaiswal). Parima teaches at a school, while Vinay works at a supermarket. One night, while returning home alone from a metro station after a party, her life changes completely. Five men abduct her from a moving vehicle and brutally gang-rape her. The brutal behavior of the men in this scene is heartbreaking. Ravi (Taapsee Pannu) fights the case against Parima's accusers in court. Through this legal struggle, the story explores patriarchal thinking, widespread corruption in the police, and social mindsets. Written by Anubhav Sinha and Gaurav Solanki, "Assi" is inspired by real events. There's a poignant scene early in the film when Vinay teaches his son to let his sister board the school bus first. Its message is clear: only proper upbringing can create a sensitive society. Similarly, in another scene, when Dhruv visits Parima in the hospital, Vinay says that the impact of this incident will reach home, and that a child cannot be completely shielded from the reality. There are many such scenes that leave a deep impact on the mind and force one to think. However, the film doesn't stop at the courtroom debates, but also depicts the behavior of people involved in Parima's life. When she decides to return to school, the principal refuses, saying the school and the children aren't ready for it. This exposes the uncomfortable mindset of society. As the case unfolds, it reveals bureaucratic red tape, a corrupt police system, and a deeply ingrained patriarchal structure. Every 20 minutes, a message flashes on screen announcing another sexual assault somewhere in the country during the film's runtime. This fact is unsettling. The film doesn't delve into the lives of the accused, but it does offer a glimpse into their background: the victim is someone's sister, girlfriend, wife, or daughter, yet they are unfazed by their crimes. This reflects their mindset that the corrupt system will protect them. However, after the interval, several scenes feel stretched. Parallel to Parima's legal battle runs the story of Ravi's brother-in-law, Kartik (Kumud Mishra), who is unable to come to terms with his past. However, this narrative is not fully fleshed out, weakening the audience's emotional connection. Naseeruddin Shah's character also feels incomplete. The film's impact could have been stronger if these characters had been given more depth. The media's perspective is missing from the story this time. It's disappointing that such a major case doesn't make headlines. Parima's inner pain could have been more fully explored. Speaking of acting, after "Mulk" and "Thappad," Taapsee Pannu has once again collaborated with Anubhav Sinha. She tackles a crucial and sensitive issue with seriousness as lawyer Ravi. Whether it's frustration or empathy, she conveys all emotions with poise. Kani Kusruti's performance as Parima, who is trying to rebuild her life after suffering rape, is commendable. Revathi is apt as the judge. Kumud Mishra makes an impact as Kartik. Zeeshan Ayub's performance as the reconciled husband is commendable. However, his character's struggle could have been portrayed more deeply. Manoj Pahwa's performance as the desperate father is noteworthy. Overall, "Assi" is a serious, thought-provoking film that honestly addresses a sensitive subject. Despite some weaknesses, it raises important questions about society and the system. Directed by Anubhav Sinha, "Assi" is set to release in theaters on February 20th.